Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 314 ■ दमण, गुरुवार 03, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल ने दमण में विकास परियोजनाओं की प्रगति का धरातल पर उतरकर किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने आज दमण में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के स्थलों का दौरा कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आइकॉनिक ब्रिज एवं जंपोर सी-फ्रंट सहित अन्य विकास परियोजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों से परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, कार्य की प्रगति, गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता किए बिना परियोजनाओं को समयबद्ध एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रशासक प्रफुल पटेल ने अधिकारियों एवं ठेकेदारों को आपसी समन्वय के साथ कार्य में तेजी लाने तथा निर्माण कार्यों में आने वाली बाधाओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से परियोजनाओं के फिनिशिंग कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने तथा सौंदर्यीकरण एवं जन-सुविधाओं से जुड़े कार्यों पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। प्रशासक प्रफुल पटेल ने कहा कि दमण में चल रही ये महत्वाकांक्षी परियोजनाएं क्षेत्र के पर्यटन, कनेक्टिविटी और समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगी। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कर जनता को इसका लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संघ प्रदेश श्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के शासन के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में

प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्रदेश के उद्योगों के लिए ई-सेवा अभियान का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में विकास यात्रा के गौरवपूर्ण 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में और 10 साल बेमिसाल समारोह के अंतर्गत संघ प्रदेश श्रीडी प्रदूषण नियंत्रण समिति ने आज दमण स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में प्रदेश के उद्योगों के लिए ई-सेवा अभियान का सफल आयोजन किया। यह अभियान प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना तथा संघ प्रदेश के उद्योगों को सेवाएं अधिक तेज, सरल एवं प्रभावी तरीके से उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में दमण कलेक्टर एवं पीसीसी अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, पीसीसी सदस्य सचिव बी. मोहनदास तथा दमण और दादरा नगर हवेली जिले के विभिन्न औद्योगिक संघों के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिनिधियों ने अभियान में भाग लिया। इस अवसर पर दमण कलेक्टर एवं पीसीसी अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, पीसीसी सदस्य सचिव बी. मोहनदास तथा विभिन्न औद्योगिक संघों के अध्यक्षों ने उपस्थितजनों को संबोधित किया तथा उद्योगों को सुविधाएं प्रदान करने और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस को सुदृढ़ करने में ई-सेवा अभियान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। औद्योगिक क्षेत्र से अभियान को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। कुल 275 उद्योगों ने ई-सेवा अभियान के लिए पंजीकरण कराया तथा कार्यक्रम के दौरान 262 आवेदनों का निपटारा किया गया, जिसमें 40 कंसेंट प्रदान किए गए। इस पहल से प्रशासन द्वारा उद्योगों को अधिक तेज एवं प्रभावी सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला। अभियान के सुचारू संचालन के लिए उद्योगों के पंजीकरण एवं टोकन जारी करने हेतु जिला-वार पंजीकरण काउंटर बनाए गए। इसके अलावा, उद्योगों की समस्याओं एवं लंबित आवेदनों के समाधान के लिए जिला-वार एवं श्रेणी-वार हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई। ऐसी लंबे समय से लंबित प्रश्नावलियों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिनके जवाब उद्योगों की ओर से अपेक्षित थे। संबंधित अधिकारियों ने उद्योग प्रतिनिधियों से सीधे बातचीत की, उनकी समस्याओं को समझा तथा प्रश्नों के समाधान और लंबित आवेदनों के शीघ्र निपटारे के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की। साथ ही, तकनीकी प्रश्नों एवं लंबित आवेदनों के मौके पर ही समाधान का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान पीसीसी द्वारा उद्योगों को समिति द्वारा किए गए विभिन्न डिजिटल एवं तकनीकी सुधारों की जानकारी भी दी गई। इनमें मॉडल पर्यावरण प्रयोगशाला तथा ओसीएमएमएस पोर्टल से जुड़ी मोबाइल एसएमएस सेवा प्रमुख हैं। इन पहलों का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, उद्योगों को त्वरित एवं सुविधाजनक सेवाएं देना तथा ऑनलाइन सेवा वितरण व्यवस्था को और बेहतर बनाना है। ई-सेवा अभियान पीसीसी अधिकारियों एवं उद्योग क्षेत्र के बीच सीधे संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम रहा। इसके माध्यम से उद्योगों को तकनीकी सहायता, लंबित मामलों के समाधान तथा समय पर अनुपालन एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अभियान का सफल आयोजन प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में पीसीसी की उद्योगों को सुविधा प्रदान करने, सेवाओं में सुधार लाने, पारदर्शिता बढ़ाने तथा संघ प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस को और मजबूत करने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दमण के राजीव गांधी सेतु से मां-बेटे ने लगाई छलांग: स्थानीय मछुआरों ने बचाई दोनों की जान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। नानी दमण से मोटी दमण को जोड़ने वाले राजीव गांधी सेतु से एक मां और उसके बेटे द्वारा दमणगंगा नदी में छलांग लगाने की घटना सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इस दौरान मौके पर मौजूद मिटना समाज के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए नदी में फंसे मां-बेटे को बचाने के लिए तुरंत रेस्क्यू शुरू किया। स्थानीय लोगों की सूझबूझ और साहस के कारण दोनों को समय रहते नदी से बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद पुल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले बेटे ने पुल से नदी में छलांग लगा दी, जिसके बाद उसकी मां भी नदी में कूद पड़ी। मां-बेटे द्वारा नदी में छलांग लगाने के कारणों की जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों ने मां-बेटे की जान बचाकर मानवता और साहस की मिसाल पेश की। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलसि ने मामले की जांच जारी रखी है।

घेलवाड ग्राम पंचायत में किसान शिविर का हुआ आयोजन: किसानों को दी गई कृषिलक्षी जानकारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। घेलवाड ग्राम पंचायत में आज दमण कृषि विभाग द्वारा किसान शिविर का आयोजन किया गया। घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित किसानों को केंद्र प्रायोजित योजनाओं और केंद्र सरकार तथा संघ प्रदेश प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। शिविर के दौरान प्राकृतिक खेती के महत्व, इसके लाभों तथा प्राकृतिक खेती के क्रियान्वयन के संबंध में किसानों को विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर पंचायत सदस्यों, किसानों एवं बडी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

अन्ना की तबीयत में सुधार, महाराष्ट्र के सीएम ने अस्पताल पहुंचकर जाना हाल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में भर्ती अन्ना हजारे की तबीयत में सुधार हो रहा है। अब डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक वे खाना खा रहे हैं। उनके करीबी सहयोगी ने बुधवार को यह जानकारी दी। डॉक्टरों के मुताबिक अन्ना हजारे को अभी दो दिन और अस्पताल में निगरानी में रखा जाएगा। उनके सहयोगी ने बताया कि डॉक्टरों ने उनकी जांच की है और उनकी हालत में सुधार हुआ है। पूरी तरह ठीक होने के बाद वह अपने गांव जा सकेंगे। बता दें अन्ना हजारे को सोमवार रात मुंबई के बॉम्बे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे पहले उनके ब्लड टेस्ट में किडनी में संक्रमण के संकेत मिले थे। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार शाम अस्पताल पहुंचकर अन्ना हजारे से मुलाकात की और उनकी तबीयत के बारे में जानकारी ली।

सिकंदराबाद छावनी से बड़े पैमाने पर हथियार चोरी, हाई अलर्ट जारी

सिकंदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सिकंदराबाद कैंटोनमेंट स्थित सेना की मद्रास रेजिमेंट परिसर से 5 असॉल्ट राइफलें (जिसमें 4 एके-सीरीज की), 7 पिस्तौल, 21 मैगजीन और लगभग 19,000 राउंड गोला-बारूद चोरी हो गए हैं। बदमाशों ने हथियार रखने वाली बैरक का दरवाजा तोड़कर बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद सेना ने पूरे सिकंदराबाद छावनी को हाई अलर्ट पर रखा है, जिसमें अधिकारियों के आवागमन की कड़ी जांच और सुरक्षा एस्कॉर्ट में वृद्धि शामिल है। पुलिस ने भारतीय सेना की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर संदिग्धों की तलाश तेज की है। पुलिस सूत्रों का मानना है कि चोरी के पीछे दो से ज़्यादा लोग हैं और उन्हें परिसर के बारे में अच्छी जानकारी थी। मामले की जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो दोषियों को पकड़ने के प्रयास में लगी हैं। इस घटना ने हथियार रखने की जगह के आसपास उचित सुरक्षा न होने पर भी चिंताएँ बढ़ा दी हैं।

सिब्बल का आरोप : मतदाता सूची में हेरफेर के लिए बना एसआईआर

-सुप्रीम कोर्ट से लगाई रोक की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग द्वारा हो रही एसआईआर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस प्रक्रिया को मतदाता सूची में हेरफेर की एक सोची-समझी कवायद बताया है, जिसका उद्देश्य भाजपा को आगामी चुनावों में फायदा पहुंचाना है। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से इस पूरी प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी मीडिया रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें दावा किया गया था कि झारखंड के गोड्डा जिले में भाजपा के एजेंट अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि स्थानीय बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) इसका विरोध कर रहे हैं। वरिष्ठ वकील सिब्बल ने घटनाक्रम को बहिष्कार की राजनीति करार दिया, जिसमें बड़े पैमाने पर मुसलमानों को निशाना बनाकर उनके नाम सूची से हटवाए जा रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि एसआईआर सिर्फ बहाना है, जिसके जरिए मतदाता सूची में छेड़छाड़ कर भाजपा को चुनाव जीतने में मदद की जा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार पर भी आरोप लगाए। सिब्बल ने कहा कि झारखंड और दिल्ली में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के पीछे ज्ञानेश कुमार का मकसद है, ताकि भाजपा के लोगों को उन मतदाताओं के नाम काटने का मौका मिल सके जो उन्हें वोट नहीं देते हैं, चाहे वे मुस्लिम हों या कांग्रेसी। वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस पर दुख व्यक्त किया कि अदालतें इसतरह के गंभीर मुद्दों का संज्ञान नहीं ले रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि यदि किसी गरीब व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से कट जाता है, तब उस गरीब इंसान को भारी नुकसान होता है, क्योंकि उसके पास अपना नाम दोबारा जुड़वाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं होते। इसलिए, सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से इस हेरफेर को रोकने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखने का आग्रह किया है।

फरीदाबाद छात्रा आत्महत्या : स्कूल में बर्बर सजा और अपमान के आरोप

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में 11वीं कक्षा की छात्रा द्वारा स्कूल की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। छात्रा के पिता ने आरोप लगाया था कि एक शिक्षक की सजा के बाद उनकी बेटी ने कदम उठाया। अब, अन्य अभिभावक भी सामने आए हैं, जिन्होंने स्कूल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अभिभावकों का कहना है कि नवोदय विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कठोर दंड आम बात थी। आरोप है कि छात्रों को घंटों तक धूप में खड़ा रखा जाता था, उनकी पिटाई की जाती थी और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सीजेपी ने वापस लिया आंदोलन, नड्डा ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी।

नीट परीक्षा से जुड़े मामलों को लेकर बीते महीने से आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आगामी 5 सितंबर को प्रस्तावित अपना राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन रद्द करने का ऐलान किया है। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले को आंदोलन की बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगें, जिसमें छात्रों पर दर्ज मामले वापस लेना और नीट से जुड़े आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को आर्थिक सहायता देना शामिल था, पर अब फैसला आ गया है। इस घोषणा के साथ ही दिल्ली में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आंदोलन वापसी के फैसले का स्वागत किया है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखकर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने और भविष्य में उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न करने का भरोसा दिया था। उन्होंने बताया कि इस बारे में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों की सरकारों से भी बातचीत की गई है और अब सरकार अपने उस आश्वासन को पूरा कर रही है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने जोर दिया कि युवाओं की प्रगति और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

दूसरी ओर, छत्रपति संभाजीनगर से सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को न्याय की बड़ी जीत बताया। उन्होंने दावा किया कि छात्र आंदोलन के दबाव के कारण ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। दीपके ने कहा कि सरकार पहले उनकी मांगों को स्वीकार नहीं कर रही थी, लेकिन अब कोर्ट के फैसले के बाद पीड़ित परिवारों और छात्रों को न्याय मिला है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दीपके ने नीट मामले से जुड़े आत्महत्या पीड़ित छात्रों के परिवारों से भी बातचीत की और उन्हें हर संभव सहारा देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आंदोलन से जुड़े साथियों के साथ कई दौर की बैठकों के बाद सर्वसम्मति से 5 सितंबर के आंदोलन को रद्द करने का निर्णय लिया गया।

भारत ने पांचवां विमान राहत सामग्री और विशेष रेस्क्यू टीम के साथ नेपाल भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और आपदा से राहत के लिए अपना पांचवां विमान भी राहत सामग्री और विशेष रेस्क्यू टीम के साथ रवाना कर दिया है। इस मदद को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत की ओर से 5.5 टन जरूरी दवाइयां, विशेष बचाव उपकरण और 11 सदस्यों की एक विशेष रेस्क्यू टीम लेकर पांचवां विमान नेपाल के लिए रवाना हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत नेपाल को कुल चार खेप भेज चुका है, जिसमें करीब 57.5 टन से ज्यादा राहत सामग्री, जनरेटर, मेडिकल टीमें, और खोज-बचाव दल शामिल हैं। भारत सरकार एनडीआरएफ के विशेषज्ञों और जरूरी उपकरणों के साथ नेपाल में फंसे लोगों को निकालने और बुनियादी संपर्क बहाल करने में लगातार मदद कर रहा है। भारत ने 19 सदस्यों वाली 6 फोरेंसिक टीमों को काठमांडू भेजा है। ये टीमें शवों के डीएनए सैंपलिंग और उनकी पहचान करने में नेपाल के प्रशासन की मदद कर रही हैं। भारत ने 230 फीट लंबा सिंगल-लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज बनाने के लिए 16 ट्रक उपकरण नेपाल पहुंचाए हैं। संपर्क मार्गों को तुरंत चालू करने के लिए 7 अतिरिक्त बेली ब्रिज और उन्हें जल्द इंस्टॉल करने के लिए तकनीकी दल भी भेजे जा रहे हैं। भारत ने विशिष्ट उपकरणों से लैस 13 सदस्यीय विशेषज्ञ सेना टीम को टनल ऑपरेशन्स के लिए भेजा।

सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार: 70,500 से अधिक शिकायतें, बैंक और रेलवे शीर्ष पर

-केंद्रीय सतर्कता आयोग की हालिया रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की हालिया रिपोर्ट ने बीते साल सरकारी संस्थानों के खिलाफ भ्रष्टाचार की भयावह तस्वीर पेश की है, जिसमें 70,500 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें सबसे अधिक शिकायतें बैंकिंग और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित थीं, जो इन विभागों में व्याप्त अनियमितताओं को दिखाती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) को कुल 70,584 शिकायतें मिली थीं। इसमें से बीते साल 31 दिसंबर तक 64,905 शिकायतों का निपटारा किया गया। हालांकि, 5,679 शिकायतें अभी भी लंबित थीं, जिसमें से 2,002 शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से फंसी हुई हैं। सीवीओ से आमतौर पर 3 महीने के भीतर शिकायतों का निपटारा करने की अपेक्षा की जाती है, और आयोग लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करता है।

आंकड़ों के मुताबिक, बैंकों के सीवीओ को सर्वाधिक 9,933 शिकायतें मिलीं। इसमें से 9,520 का निपटारा हो गया, लेकिन 413 शिकायतें लंबित रहीं, जिसमें 52 शिकायतें 3 महीने से अधिक समय से लंबित थीं। रेलवे भी इस सूची में पीछे नहीं रहा, जहां 9,381 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें से 8,754 का निपटारा किया गया, जबकि 627 शिकायतें लंबित थीं, जिसमें से 10 शिकायतें तीन महीने से अधिक पुरानी थीं।

अन्य प्रमुख क्षेत्रों में आवास और शहरी मामलों से जुड़ी 6,531 शिकायतें, दिल्ली सरकार को छोड़कर स्थानीय निकायों से 4,834, कोयला क्षेत्र से 4,118, वित्त क्षेत्र से 3,107 और दिल्ली सरकार से 2,804 शिकायतें शामिल थीं। पेट्रोलियम मंत्रालय के खिलाफ 2,722, दिल्ली पुलिस के खिलाफ 2,633 और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग क्षेत्र से संबंधित 2,139 शिकायतें भी प्राप्त हुईं। रिपोर्ट में सीवीसी द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए सीवीओ को भेजी गई 18,651 शिकायतों का भी उल्लेख है, जिसमें स्थानीय निकायों (4,110), बैंकों (1,749) और रेलवे (1,428) से संबंधित शिकायतें शीर्ष पर थीं। यह रिपोर्ट सरकारी विभागों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी पर गंभीर सवाल उठाती है।

बीजेपी नेता रील्स बनाने, फॉलोअर्स बढ़ाने और अपने फैन क्लब बनाने में व्यस्त

पश्चिम बंगाल विधायक अमरनाथ ने अपनी ही पार्टी नेताओं पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले की ओंडा विधानसभा से बीजेपी के वरिष्ठ विधायक अमरनाथ शाखा ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने फेसबुक पर की गई अपनी एक तीखी पोस्ट में आरोप लगाया कि बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी जमीनी मुद्दों पर माकपा (सीपीआई-एम) और लेफ्ट फ्रंट का मुकाबला करने के बजाय केवल रील्स बनाने, फॉलोअर्स बढ़ाने और अपने फैन क्लब बनाने में व्यस्त हैं।

उन्होंने कहा कि इतने लंबे समय से इस पार्टी में सक्रिय रहने के कारण कुछ चीजें देखकर मैं चुप नहीं रह सकता। मैं दूसरों को खुश करने में विश्वास नहीं रखता, जो मुझे गलत लगता है, उसके खिलाफ आवाज उठाता हूं और इसी वजह से मेरे कई दुश्मन बन गए हैं। हालांकि इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरी पूरी जिंदगी संघर्षों से भरी है। उन्होंने कहा कि मैं कभी ऐसा इंसान नहीं रहा और न ही बनना चाहता हूं, जो सामने वाले व्यक्ति के हिसाब से अपना स्वभाव बदल ले।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है, लेफ्ट फ्रंट उकसावे और गलत जानकारी फैलाकर जनता की नजर में सरकार की छवि खराब करने में लगा है फिर भी हमारे वरिष्ठ नेता कोई विरोध नहीं करते। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक वे बस अपना प्रचार करने में ही लगे रहते हैं। उन्हें लगता है कि पार्टी भाड़ में जाए, बस हमारा पेट भरा रहना चाहिए, यही मायने रखता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हर कोई रील्स बनाने, फॉलोअर्स बढ़ाने और अपने फैन क्लब को बड़ा करने में व्यस्त है। सरकार के सत्ता में आने के बाद से उनकी शान-ओ-शौकत बहुत बढ़ गई है देखिए वे कहां से शुरू हुए थे और अब कहां पहुंच गए हैं। उन्हें पार्टी के प्रति कोई जवाबदेही महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा कि किसी खास नेता का फॉलोअर बनने के बजाय, पहले पार्टी के प्रति वफादार बनिए। नेता तो आते-जाते रहेंगे, लेकिन पार्टी बनी रहेगी। मैंने अपनी जवानी, परिवार और बाकी सब कुछ छोड़कर अपना पूरा जीवन इस पार्टी को समर्पित किया है। 34 सालों तक मैंने सीपीएम की धमकियों और आतंक के साथ-साथ तृणमूल के अत्याचारों का भी सामना किया है। इन सबके बावजूद लोगों ने हम पर भरोसा बनाए रखा। फिर भी कुछ लोगों की वजह से पार्टी को नुकसान हो रहा है और उन लोगों का ध्यान सिर्फ पैसा कमाने पर है।

महुआ मोइत्रा की सुरक्षा बढ़ी : कलकत्ता हाईकोर्ट का निर्देश

कोलकाता (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस की नेता और कृष्णानगर से सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोलकत्ता की अदालत ने निर्देश दिया कि मोइत्रा को उनकी मौजूदा निजी सुरक्षा के अलावा दो और पुलिस सुरक्षाकर्मी मुहैया कराए। सांसद महुआ ने अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान आ रही दिक्कतों और सुरक्षा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनका आरोप था कि कृष्णानगर लोकसभा क्षेत्र में उन्हें बार-बार बीजेपी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरोध और हमलों का सामना करना पड़ रहा है, जिसकी वजह से उन्हें अपने काम में दिक्कतें आ रही हैं। मामले पर सुनवाई कर जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल बेंच ने कृष्णानगर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को सांसद की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, महुआ को अगले 30 दिनों के दौरान अपने लोकसभा क्षेत्र के दौरों के समय दो अतिरिक्त पुलिस कर्मियों की तैनाती होगी। हालांकि, अदालत ने शर्त भी तय की है कि अपने संसदीय क्षेत्र में किसी भी दौरे पर जाने से करीब 48 घंटे पहले महुआ मोइत्रा को ईमेल के जरिए जिले के एसपी को लिखित सूचना देनी होगी। कलकत्ता हाईकोर्ट की ओर से जारी किया गया यह अंतरिम आदेश 1 अक्टूबर 2026 तक लागू रहेगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 अक्टूबर की तारीख तय की है, जिस दौरान पुलिस प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था और उठाए गए कदमों को लेकर कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया गया है।

चिन्नागवुर में बुजुर्ग महिला को सीएम विजय ने पहना दिया 40 हजार का सनग्लास

मेट्टूर डैम के गेट खुलवाकर पानी छोड़ा, किसानों को धोती-साड़ियां भी बांटी

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु के सीएम विजय ने मेट्टूर में कावेरी डेल्टा जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर डैम के गेट खुलवाए और पानी छोड़ा। सलेम जाते समय वे चिन्नागवुर में बुजुर्ग महिला चेल्लम के घर गए। विजय ने चेल्लम से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। इसी दौरान उन्होंने अपना डियोर का सनग्लास उतारकर चेल्लम को दे दिया। इसकी कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई जा रही है। चेल्लम ने सनग्लास पहनकर अभिवादन किया और कहा कि विजय को अचानक सामने देखकर वह हैरान रह गईं। विजय उन्हें फिल्मी हीरो जैसे लगे। विजय ने उनसे पूछा कि उन्होंने खाना खाया या नहीं। चेल्लम ने बताया कि वह उनका इंतजार कर रही थीं। विजय ने उन्हें खाना खाने को कहा और बताया कि वह खुद खाना खा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय का यह दौरा पहले से तय नहीं था। मेट्टूर से एयरपोर्ट जाते समय वे खेत के पास रुके और बुजुर्ग महिलाओं से मिले। विजय किसान पलानीसामी के पशु शेड में गए और लोगों से बातचीत की। उन्होंने चेल्लम को साड़ी और किसानों को सिल्क की धोती-साड़ियां बांटी। 15 मिनट के इस दौरे का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई विजय को नुकसान पहुंचाएगा तो वह उनका बचाव करेंगी। चेल्लम ने अपनी निजी परेशानी नहीं बताई। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें राशन कार्ड की समस्या है और उम्र के कारण वह काम नहीं कर पाती हैं।

ओवैसी की पार्टी को उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले झटका?

-राष्ट्रीय प्रवक्ता के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी एआईएमआईएम को एक बड़ा झटका लग सकता है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद असीम वकार के कांग्रेस में शामिल होने की खबरें सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, वकार गुरुवार तक दिल्ली में कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं, हालांकि उन्होंने इन खबरों की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है। वकार पिछले लगभग एक दशक से ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम से जुड़े हुए हैं और उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में उनकी अच्छी पहचान है। ऐसे में, यदि वे पार्टी छोड़ते हैं, तो यह उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने और सीटें जीतने की एआईएमआईएम की कोशिशों के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

असीम वकार का एआईएमआईएम में महत्व काफी अधिक है, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्य में जहाँ पार्टी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही है। एक राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में, वे पार्टी के विचारों और रणनीतियों को जनता तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसी जानकारी मिली है कि वकार पिछले कुछ समय से पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई से जुड़े फैसलों को लेकर नाराजगी व्यक्त कर रहे थे। एआईएमआईएम में शामिल होने से पहले, वे लगभग 20 साल तक समाजवादी पार्टी में भी रहे थे, जिससे उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी गहरी जड़ें स्पष्ट होती हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने वकार के कांग्रेस में जाने की योजना में अहम भूमिका निभाई है। असदुद्दीन ओवैसी ने अभी यह तय नहीं किया है कि एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया है कि पार्टी विधानसभा चुनाव निश्चित रूप से लड़ेगी और सीटें जीतने की पूरी कोशिश करेगी। पिछले महीने, ओवैसी ने यह दावा किया था कि पार्टी का संगठन पहले की तुलना में काफी मजबूत हुआ है और जनता में एआईएमआईएम को एक विकल्प के तौर पर देखने की सोच भी प्रबल हुई है।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर, 400 दुकानें और 20 होटल जलमग्न

उत्तराखंड में बारिश से जुड़े हादसों में 11 की मौत, बिहार के 14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के कई राज्यों में मानसूनी बारिश का तांडव जारी है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से 2 मीटर ऊपर बह रही है। रामघाट क्षेत्र में करीब 400 दुकानें और 20-25 होटल जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन ने तटवर्ती 36 गांवों में हाई अलर्ट जारी किया है। वहीं एक नाविक के तेज बहाव में बहने की सूचना है, जिसकी तलाश जारी है। यूपी के सहारनपुर में भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं, जिससे कई संपर्क मार्ग और पुल डूब गए हैं। वाराणसी में गंगा के बढ़ते जलस्तर से रत्नेश्वर महादेव मंदिर का लगभग पानी में डूब गया है।

वहीं उत्तराखंड में बारिश से जुड़े हादसों में 11 लोगों की जान चली गई है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर नैनीताल, अल्मोड़ा और बागेश्वर जिलों में सभी स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। हल्द्वानी में गौला नदी पूरे उफान पर है। पटना सहित कई इलाकों में तेज बारिश से जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने पटना समेत राज्य के 14 जिलों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रोहतास के मांझर कुंड झरने में फंसे दो युवकों को पानी घटने के बाद सुरक्षित निकाला गया।

झारखंड के पलामू में सोन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं, छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के सेमरिया गांव में बाढ़ के चलते ग्रामीणों को कमर तक पानी में चलकर अंतिम संस्कार के लिए जाना पड़ा। 3 सितंबर को मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश का अनुमान है। 4 सितंबर को मध्य प्रदेश में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश की वजह से आम लोगों को जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बीते कई दिनों से प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर हो रही बारिश के चलते तमाम नदियों को जलस्तर बढ़ गई हैं। गंगा-यमुना नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। यूपी में बीते 24 घंटों में पूर्वांचल के कई जिलों में मूसलाधार बारिश देखने को मिली है। पीलीभीत में शारदा नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। वहीं बनबसा बैराज से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने की आशंका है। ऐसे में हालात और खराब हो सकते हैं।

वाराणसी में वरुणा नदी का जलस्तर भी बढ़ा हुआ हैं। गंगा का जलस्तर बढ़ने की वजह अब पानी तटवर्ती इलाकों में घुस गया है। तमाम घाट पानी में डूब गए हैं। कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई हैं। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। पानी बढ़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। मौसम विभाग ने आज भी बांदा, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, झांसी, बरेली समेत 30 से ज्यादा जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

वलसाड की डॉ. भैरवी जोशी को UN वर्ल्ड बाइसिकल-डे के संस्थापक डॉ.लेजेक सिबिल्स्की ने सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस-2026 से किया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड, 02 सितंबर। वलसाड के लोटस हॉस्पिटल की डेंटिस्ट डॉ. भैरवी जोशी को भारत में साइकिलिंग मूवमेंट को मज़बूत करने के लिए प्रतिष्ठित 'वर्ल्ड बाइसिकल डे सर्टिफ़िकेट ऑफ़ एक्सीलेंस 2026' से सम्मानित किया गया है। यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड बाइसिकल डे के संस्थापक डॉ. लेज़ेक सिबिल्स्की द्वारा शुरू किए गए इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान को केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने 30 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित 'ब्रिक्स संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में डॉ. भैरवी जोशी को सौंपा। भारत को एक साइकिलिंग देश बनाने के विज़न के साथ, डॉ. भैरवी जोशी ने एम्स्टर्डम की BYCS ग्लोबल के सहयोग से 2021 में BYCS इंडिया फ़ाउंडेशन की स्थापना में अहम भूमिका निभाई। डॉ. भैरवी जोशी अभी इस संगठन की डायरेक्टर और CEO के तौर पर काम कर रही हैं। उनकी लीडरशिप में, बाइसिकल मेयर्स नेटवर्क 56 से ज़्यादा शहरों तक फैल गया है। डॉ. भैरवी जोशी का काम अब एक्टिव मोबिलिटी, पब्लिक हेल्थ, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की साइकिलिंग, सड़क सुरक्षा और सस्टेनेबल शहरी विकास जैसे क्षेत्रों तक फैल गया है। डॉ. भैरवी जोशी 'फिट इंडिया मिशन' की सलाहकार और 'साइकिलिंग फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया' की डेवलपमेंट कमिटी की सदस्य भी हैं। वह राष्ट्रीय स्तर के 'फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल' कैंपेन से भी जुड़ी हुई हैं। डॉ. भैरवी जोशी की अगुवाई में 'साइकिल2स्कूल' पहल को BYCS इंडिया फ़ाउंडेशन के सहयोग से सूरत में एक पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया गया था। यह पहल आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत शुरू की गई थी। डॉ. भैरवी जोशी ने बच्चों और शहरों की प्लानिंग में साइकिलिंग की भूमिका पर भी अहम काम किया है। वर्ल्ड बाइसिकल डे 2025 के मौके पर, डॉ. भैरवी जोशी की लिखी किताबें 'साइकिलिंग, चिल्ड्रन एंड सिटीज़' और 'रोड टू साइकिल2स्कूल' रिलीज़ की गई थीं। 'वर्ल्ड बाइसिकल डे सर्टिफ़िकेट ऑफ़ एक्सीलेंस 2026' साइकिलिंग के क्षेत्र में डॉ. भैरवी जोशी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय योगदान के लिए एक अहम वैश्विक सम्मान है। इस मौके पर, डॉ. भैरवी जोशी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काम करने वाले ठाणे के बाइसाइकिल मेयर चिराग शाह को भी 'वर्ल्ड बाइसाइकिल डे सर्टिफ़िकेट ऑफ़ एक्सीलेंस 2026' से सम्मानित किया गया।

सेना की बोट डूबी, 2 जवान लापता

यमुनानगर(ईएमएस)। हरियाणा के यमुनानगर जिले में हथिनीकुंड बैराज के पास मंगलवार शाम यमुना नदी में सेना की बोट डूबने से लापता दो जवानों का 15 घंटे बाद पता नहीं लग पाया है। मंगलवार शाम को 5 बजे शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन रातभर चला। हेलिकॉप्टर से भी निगरानी की गई। हरियाणा के अलावा यूपी की एसडीआरएफ टीमें भी जुटी हैं। लोकल गोताखोरों को भी लगाया गया है। बैराज से निकलने वाली पूर्वी और पश्चिमी यमुना नहर के किनारों पर सर्चलाइटों से निगरानी की गई। आज नहरों में पानी की सप्लाई कम करके दोबारा कोशिश होगी। सेना के वन पैरा स्पेशल फोर्स के बाढ़ बचाव दल के अभ्यास के दौरान यह हादसा हुआ था। हादसे में सेना के पांच जवान पानी में डूबने लगे थे। इनमें से तीन जवान करीब 600 मीटर तक तेज बहाव में तैरकर पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यूजेसी) के गेट से बाहर निकलने में सफल रहे। लापता जवानों की पहचान महाराष्ट्र निवासी आर्यन पाटिल और जम्मू-कश्मीर के अखनूर निवासी अजय के रूप में हुई है।

तमिलनाडु के 52 मंदिरों में स्मार्टफोन बैन

चेन्नई(ईएमएस)। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 52 प्रमुख मंदिरों में स्मार्टफोन ले जाने और इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। यह नियम लागू हो गया है। नए नियम के मुताबिक, श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश से पहले स्मार्टफोन काउंटर पर जमा करना होगा। इसके लिए हर फोन पर 5 रुपए चार्ज देना होगा। बिना कैमरे वाले मोबाइल फोन मंदिर के अंदर ले जाने की अनुमति होगी। मंदिर परिसर में फोटो खींचने, रील बनाने और वीडियो रिकॉर्ड करने पर रोक लगा दी गई है। इस नियम के तहत वीआईपी, बड़ी हस्तियों और मशहूर लोगों की फोटो या वीडियो बनाने की भी इजाजत नहीं होगी। हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एंडोमेंट्स मंत्री रमेश ने यह जानकारी दी।

एंटी-मलेरिया दवा से बच्ची की मौत

पोलावरम(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले के गोल्लागुप्पा गांव में एंटी-मलेरिया दवा खाने के बाद 52 लोग बीमार पड़ गए, जबकि 7 साल की बच्ची मदिवी जमुना की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रभावित लोगों में बच्चे और ग्रामीण शामिल हैं। गांव में मलेरिया से बचाव के लिए क्लोरोक्वीन की गोलियां बांटी गई थीं। अधिकारियों के मुताबिक, गांव में कुल 71 लोगों को क्लोरोक्वीन की दवा दी गई थी, जिसके बाद कई लोगों को तबीयत बिगडने की शिकायत हुई। जमुना को उल्टी और पेट में जलन के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। फिलहाल 52 प्रभावित लोगों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। गोल्लागुप्पा में स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया की रोकथाम के लिए मेडिकल कैंप लगाया था। जांच के बाद लोगों को क्लोरोक्वीन की गोलियां दी गईं। दवा लेने के बाद कुछ बच्चों और ग्रामीणों को पेट दर्द, उल्टी और चक्कर जैसी दिक्कतें होने लगीं।

31 बांग्लादेशी नागरिकों को बंगाल भेजा

बेंगलुरु(ईएमएस)। बेंगलुरु पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रहे 31 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने के लिए पश्चिम बंगाल भेजा है। इन सभी को अगस्त में इलेक्ट्रॉनिक सिटी डिवीजन के 10 पुलिस थानों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान हिरासत में लिया गया था। पुलिस के मुताबिक, अब पश्चिम बंगाल के अधिकारी जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन लोगों को बांग्लादेश वापस भेजेंगे। ये सभी बांग्लादेश के खुलना जिले के बागेरहाट के रहने वाले हैं और माना जा रहा है कि उन्होंने अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया था। 29 जगहों पर हुई कार्रवाई में पुलिस ने 1,909 संदिग्ध अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया था। बाकी 1,894 संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच अभी जारी है। उनके वीजा, पासपोर्ट और नागरिकता से जुड़े अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

एस. जयशंकर यूक्रेन और पोलैंड के दौरे पर

नई दिल्ली(ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन और पोलैंड की यात्रा पर जा रहे हैं। वह 3-4 सितंबर को इन दोनों देशों के राजकीय दौरे पर होंगे। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा और पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय घटनाक्रम व आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के बाद हो रहा है, जिसमें उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में रूस-यूक्रेन जंग में शांति की अपील की थी।

राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

■ चंपत राय की जगह गोविंद देव गिरि महासचिव

अयोध्या(ईएमएस)। अयोध्या राम मंदिर के पहले सीईओ (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) के नाम का ऐलान कर दिया गया है। बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर मुहर लगाई। जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था। वह देवरिया के रहने वाले हैं। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तीसरी बैठक चल रही है। इसमें ट्रस्ट के 3 नए ट्रस्टियों की घोषणा कर दी गई है। पहली बार महिला को भी शामिल किया गया। दिल्ली के महेश भागचंदका, अयोध्या के एडवोकेट मदन मोहन पांडेय और आरएसएस से जुड़ी शिकोहाबाद की निर्मला यादव को ट्रस्टी बनाया गया है। महेश भागचंद का विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल के रिश्तेदार हैं। 2020 में राम मंदिर के भूमि पूजन के धार्मिक अनुष्ठानों में वह मुख्य यजमान रहे थे। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान भी यजमान रहे। 7 जून को चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था। मामले में 8 आरोपी जेल में हैं। इससे पहले 2 जुलाई को हुई बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार किया गया था। रिटायर्ड आईएफएस कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाया गया। वहीं, 26 जुलाई को 9 संतों की धार्मिक समिति बनाई गई थी।

बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंचे दंपती के ट्रॉली बैग से 1.93 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

कस्टम विभाग की बड़ी कार्रवाई, बैग के गुप्त खाने में छिपाकर लाए थे 10 वैक्यूम-पैक पैकेट; एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1.93 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। इस मामले में वडोदरा के एक दंपती को हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंची फ्लाइट के जरिए यह मादक पदार्थ लेकर आए थे। एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों को दंपती की ट्रॉली बैग संदिग्ध लगी। इसके बाद बैग की गहन जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग के एक गुप्त खाने में छिपाकर रखे गए 10 वैक्यूम-पैक पैकेट बरामद हुए। पैकेट खोलकर जांच करने पर उनमें हरे रंग का संदिग्ध पदार्थ मिला।

कस्टम विभाग की जांच में पुष्टि हुई कि बरामद पदार्थ हाइड्रोपोनिक गांजा है। कुल वजन करीब 1.93 किलोग्राम पाया गया। इसके बाद अधिकारियों ने दंपती को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि मादक पदार्थ विदेश से अहमदाबाद लाया गया था। हालांकि, दंपती ने यह गांजा कहां से हासिल किया और इसे अहमदाबाद में किसे सौंपना था, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कस्टम विभाग ड्रग्स के स्रोत और इसके पीछे सक्रिय संभावित नेटवर्क का पता लगाने में जुटा है। दंपती के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि दोनों केवल ड्रग्स के वाहक के रूप में काम कर रहे थे या उनके पीछे कोई बड़ा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इससे पहले भी विदेश से मादक पदार्थ लाने के प्रयासों के खिलाफ कस्टम विभाग कार्रवाई कर चुका है। ताजा मामले में भी जांच इसी दिशा में आगे बढ़ाई जा रही है कि इस तस्करी के पीछे कौन लोग हैं और दंपती की भूमिका क्या थी।

शिक्षा के धंधे में नैतिकता का स्तर और छात्रों का भविष्य

(राष्ट्रीय शिक्षक दिवस विशेष 5 सितंबर 2026)

कहने को सभी शिक्षा ज्ञान मंदिर को पवित्र पेशे के रूप में देखते है, लेकिन क्या आज व्यापारीकरण के युग में यह वहीं मंदिर रहा है, जहां क्रांतिज्योति सावित्री बाई फुले शिक्षा की ज्ञानज्योत जलाने के लिए विपरीत विचारों, कुरीतियों वाले पूरे समाज से घृणा और द्वेष सहन करती रही थी। महात्मा ज्योतिराव फुले ने सामाजिक बहिष्कार, अपमान और विरोध की परवाह किए बिना शिक्षा को वंचितों की मुक्ति का माध्यम बनाया; राजर्षि शाहू महाराज ने शिक्षा में सामाजिक न्याय और अवसरों की समानता को राज्य की जिम्मेदारी माना; महर्षि धोंडो केशव कर्वे ने स्त्री-शिक्षा को अपने जीवन का ध्येय बनाया; डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और मुक्ति की आधारशिला माना; पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन ने पुस्तकालयों को ज्ञान तक समान पहुँच और बौद्धिक लोकतंत्र का माध्यम बनाया और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने ज्ञान को विकसित और आत्मनिर्भर भारत की शक्ति के रूप में देखा। ऐसे सभी महापुरुषों और समाजसुधारकों की दृष्टि में शिक्षा कोई बिकाऊ वस्तु नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज को बेहतर बनाने वाली सार्वजनिक नैतिक जिम्मेदारी थी।

लेखक :- डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल/व्हॉट्सएप्प
क्र.08237417041
ईमेल:- prit00786@gmail.com

आज उसी व्यवस्था के सामने एक असहज प्रश्न खड़ा है—क्या शिक्षा धीरे-धीरे ज्ञान और सामाजिक परिवर्तन के मिशन से हटकर फीस, मुनाफा, ब्रांड, परीक्षा-परिणाम और रोजगार के बाजार में बदलती जा रही है? यदि शिक्षा के नाम पर अनावश्यक आर्थिक बोझ, नियुक्तियों में कथित धनबल, राजनीतिक अथवा प्रशासनिक हस्तक्षेप और शिक्षकों की असुरक्षा जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती है, तो संकट केवल संस्थागत व्यवस्था का नहीं, बल्कि शिक्षा के मूल नैतिक चरित्र का हैं। ऐसी स्थिति में हमें यह पुनर्विचार करना होगा कि जिन महापुरुषों ने शिक्षा को समानता, स्वाभिमान, ज्ञान और सामाजिक मुक्ति का साधन बनाया था, क्या हम उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे है या अनजाने में शिक्षा को एक ऐसी व्यवस्था में बदल रहे है, जहाँ विद्यार्थी ग्राहक, शिक्षक कर्मचारी और ज्ञान एक उत्पाद बनता जा रहा है? आजकल सोशल मीडिया और खबरों में शिक्षा संस्थांनों की अनेक अनुचित व्यवहार की अत्यधिक बढ़ती खबरें इसकी पवित्रता कलंकित कर रही हैं। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित महाविद्यालयों में पदभरती के नाम पर प्रोफेसर के रेट की बात सबको पता है, अखबारों में कुछ दिन खबरें आती है, फिर सब सामान्य हो जाता हैं। शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न और आत्महत्या की घटनाएं भी लगातार बढ़ी हैं। शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार, भर्ती घोटाले, डिग्री खरीदी, परीक्षा पेपर लीक, उत्तर पुस्तिकाओं में हेर-फेर, सरकारी खर्च में अनियमितता, सामग्री खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी और कमज़ोर वित्तीय जवाबदेही ये सब बताते हैं कि शिक्षा के कामकाज में कई स्तरों पर गड़बड़ी हो सकती हैं। हर क्षेत्र में कार्यरत साधारणत सभी कर्मचारीयों को पता होता है कि, अपने विभाग में कहा अनुचित या भ्रष्ट कार्य होते है, लेकिन अधिकतम इस बारे में विरोध करना पसंद नहीं करते। जैसा चल रहा है चलने दो, यह रुख अपनाते है, लेकिन इस रुख का सीधा परिणाम संपूर्ण व्यवस्था प्रणाली, समाज और देश पर पड़ता है, जिसके गंभीर परिणाम मासूम जनता को सदियों तक झेलने पड़ सकते हैं।

विकसित देशों की शिक्षा संस्थान समान गुणवत्ता पर केंद्रित होती है, जहां अमीर-गरीब और निजी-सरकारी कर्मचारियों के बच्चे बिना किसी भेदभाव के एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। जिस देश ने गुणवत्तापूर्ण उन्नत शिक्षा, सुदृढ़ स्वास्थ्य सुविधा और रोजगार सृजनशीलता को महत्वपूर्ण माना, वही प्रगति पथ पर आगे बढ़कर विकसित हुए हैं। विश्व में छोटे-छोटे देश जिनमे से किसी के पास खेती के लिए जमीन नहीं, पर्याप्त जल सुविधा नहीं, प्राकृतिक आपदाओं से घिरे रहते है, फिर भी वह अपने बेहतर शिक्षा प्रणाली द्वारा उन्नत तकनीक के दम पर विकसित हुए हैं। मनुष्य के संपूर्ण जीवन की आधारशिला की नींव उसकी शिक्षा पर निर्भर होती है, शिक्षा की गुणवत्ता और कौशल ही उसके भविष्य की नीति तय करती हैं। अर्थात इसका असर व्यक्ति के साथ ही उसके आने वाली पीढ़ी पर भी पढता है, जीवन के हर प्रसंग, कार्यकलापों में शिक्षा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप जरूर करती हैं।

विदेशों में सामाजिक समरसता का ज्ञान बच्चों को स्कूल में ही दिया जाता है, नन्हे विद्यार्थियों को पढाई के विविध विषयों के साथ में घर की साफ-सफाई, बड़े-बुजुर्गों की मदद करना, अपना काम स्वयं करना, घर में अभिभावकों के काम में हांथ बटाना, महिलाओं की इज्जत करना, असहाय की मदद करना, समाजकार्य करना, पौधे लगाना, पर्यावरण की रक्षा करना, हस्तकला, शिल्पकला, छोटे-मोठे उपकरण सुधारना; ऐसे अनेक विषय उन्हें व्यावहारिक तौर पर स्कूल में पढ़ाये जाते हैं। इसमें सिखाया जाता है कि, कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सभी काम महत्वपूर्ण और समान हैं। जिस पर उन्हें शैक्षिक अंक भी प्रदान किये जाते हैं। यह तरीका विद्यार्थियों को एक कौशलपूर्ण, विकसित, सशक्त, जिम्मेदार, संस्कारी और समझदार नागरिक बनाने पर जोर देता है, जो कि यह हर देश के लिए बहुत जरुरी हैं। जब यहां बच्चे रील देखने में सबसे ज्यादा समय गवांते है, तब वहां बच्चे किसी एक काम में व्यावसायिक तौर पर कौशलपूर्ण तरीके से पारंगत हो चुके होते हैं।

देश में अधिकतम सरकारी कर्मचारी बच्चों की पढाई के लिए महंगे निजी शिक्षा संस्थानों को प्राथमिकता देते हैं। बेहतर वेतन के बावजूद खुद सरकारी स्कूली शिक्षक अपने बच्चों को अपनी ही स्कूल में पढ़ाना पसंद नहीं करते। अधिकतम निजी स्कूलों के शिक्षक कम वेतन पर कार्यरत होकर भी बेहतर परिणाम दर्शाते है, तो सरकारी संस्थानों को क्या हो जाता हैं? केंद्रीय, नवोदय विद्यालय शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करते है, लेकिन इन स्कूलों की संख्या बहुत कम है, इनमें शिक्षक गुणवत्ता, पदभरती, कार्यकलाप अद्यावत होते है, इसके मुकाबले अनेक राज्य सरकारों की स्कूलों के हालात बुरे नजर आते हैं। ग्रामीण क्षेत्र, दुर्गम भाग, पिछड़े इलाके के सरकारी स्कूल बारिश के मौसम में सजा देनेवाले संस्था बन जाते है, बेहतर शिक्षा सुविधा मिलना तो दूर अपनी स्कूल तक पहुंचने में नन्हे छात्र कीचड़, झाड़ियां, खड्डेनुमा सड़क, कही-कही तो उफनते नदी-नाले पार करके जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचते हैं। कई स्कूल खंडहर नजर आते है, आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ही नहीं हैं। गरीबों की ऐसी खस्ता हालत की है कि, प्राथमिक स्कूल में दाखिला लेनेवाले करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी कक्षा 12 तक कभी पहुंचते नहीं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2017-18 से 2022-23 के बिच देश के 92 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए। एक लाख से ज्यादा स्कूल एक शिक्षक के भरोसे हैं। शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उनकी गोद मे पलते हैं। शिक्षक अपने कलागुणों, ज्ञान, शिक्षा से छात्रों में नए सशक्त और विकसित समाज की नींव रखते हुए देश के भविष्य के शिल्पकार की भूमिका साकार करते हैं। शिक्षा केवल अंक, रैंक, डिग्री और रोजगार नहीं होती बल्कि चरित्र, सुजान सुसंस्कृत नागरिक, रचनात्मक, आलोचनात्मक विचार एवं सामाजिक जिम्मेदारी का अहसास भी बेहद अहम होता है, शिक्षा की यही मुख्य नैतिकता होती हैं। अगर आज शिक्षा विद्यार्थी का आकलन करके उसके कलागुणों को निखारकर योग्य कौशलपूर्ण सक्षम करके जीवन के लिए बेहतर भविष्य निर्माण करवाने में कमजोर है, तो ऐसी शिक्षा देश में केवल डिग्रीधारियों की जनसंख्या बढ़ाने का काम करेंगी, जो होता आ रहा है, नीति आयोग ने भी अभी अपनी रिपोर्ट में यही बताया कि, युवाओं के पास डिग्री है कौशल नहीं। शिक्षा को केवल बाज़ार का उत्पाद न मानकर, एक सामाजिक अधिकार और सार्वजनिक ज़िम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

CHANGE OF NAME

OLD NAME: M SUMESH P R MOHAN
NEW NAME: SUMESH MOHAN
ADDRESS: 1890, TAVKAL SOCIETY, BAVISA FALIYA, UMARKUI ROAD, DADRA & NAGAR HAVELI, 396 230.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SUJIT KUMAR **TO SUJIT KUMAR PATEL** AS PER DOCUMENT. ADDRESS : B/509 SKY HEIGHTS, ULTAN FALIYA, RING ROAD, SILVASSA-396230

CHANGE OF NAME

OLD NAME: VENUGOPALA ACHARYA
NEW NAME: VENUGOPAL ACHARYA
ADDRESS: 2928-5-A-5, PRAMUKH VATIKA, BAVISA FALIA, SILVASSA, DADRA & NAGAR HAVELI- 396 230.

CHANGE OF NAME

I, MIRA PARAG INFORM THAT MY NAME IS WRONGLY RECORDED AS "YAMINI PARAG KUWAR" INSTEAD OF **"MIRA PARAG KUWAR"** IN MY WARD 10TH INTERMEDIATE. BOTH BELONG TO ONE AND THE SAME PERSON VIDE AFFIDAVIT DT.01-09-2026.

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव

लोक निर्माण विभाग - दमन

निविदा आमंत्रण सूचना

विभिन्न सरकारी कार्यालयों/इमारतों में 2 साल की अवधि के लिए लिफ्ट की मरम्मत और सर्विसिंग (स्पेयर पार्ट्स सहित) के संबंध में। (E-47625)

टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMAN_4944_1

प्रीबिड मीटिंग की तारीख	: ---
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	: 08/09/2026
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि	: 08/09/2026
बोली खुलने की तिथि	: 08/09/2026

For details please scan
https://ddtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता, लो.नि.वि., दमण,

No. IP/DMN/2/5/2026-27/470 dtd.: 02/09/2026

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन

राजकीय महाविद्यालय, दमण

विज्ञापन

लघु अवधि अनुबंध पर अंग्रेजी विषय में सहायक प्रोफेसर के पद के लिए विज्ञापन

विज्ञापन सं. रा.म./दमण/विज्ञापन स.प्र.प्र. /2026-27/693

दिनांक: 31/08/2026

कॉलेज कार्यालय में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 15/09/2026, 05:00 अपराह्न

विज्ञापन एवं आवेदन पत्र www.ddd.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

For details please scan

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, दमण

No. IP/DMN/2/5/2026-27/469 dtd.: 02/09/2026

युवाओं को साधने की नई रणनीतिः नितिन नवीन की बैठक से भाजपा ने खोला 2027 का चुनावी मोर्चा

कांतिलाल मांडोत

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है।

नशामुक्ति से सोशल मीडिया तक युवाओं से सीधा संवाद बढ़ाने की तैयारी, जेन जी की नाराजगी दूर कर नई पीढ़ी को पार्टी से जोड़ने पर जोर...

भारतीय जनता पार्टी ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच युवाओं को अपने साथ जोड़ने की रणनीति पर गंभीरता से काम शुरू कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई अहम बैठक को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने, नई पीढ़ी के बीच संगठन की स्वीकार्यता मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात सहित सात राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भाजपा अब युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुट गई है।

भाजपा की नई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी अब युवाओं से केवल राजनीतिक मुद्दों के आधार पर संवाद करने के बजाय उनके रोजमर्रा के सवालों, आकांक्षाओं और चिंताओं को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। रोजगार, शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाएं, कौशल विकास, नशे की समस्या, डिजिटल दुनिया और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दे आने वाले समय में पार्टी के संवाद का प्रमुख आधार बन सकते हैं। इसके पीछे स्पष्ट राजनीतिक उद्देश्य भी है। देश की बड़ी युवा आबादी चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाती है और नई पीढ़ी का रुख किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष या विपक्ष में माहौल बनाने की क्षमता रखता है।

नितिन नवीन की बैठक में भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त अध्यक्ष हेमांग जोशी के साथ पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर, पूनम महाजन और तेजस्वी सूर्या जैसे युवा चेहरों की मौजूदगी भी इस बात का संकेत है कि पार्टी युवाओं से जुड़े अभियान में अपने पुराने और नए दोनों नेतृत्व को सक्रिय करना चाहती है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई वरिष्ठ नेता भी बैठक में शामिल हुए। स्मृति ईरानी, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा जैसे नेताओं की भागीदारी से साफ है कि यह केवल युवा मोर्चे की बैठक नहीं थी, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति तैयार करने का प्रयास था।

सूत्रों के अनुसार, इस महत्वपूर्ण विमर्श के लिए देशभर से 40 से अधिक नेताओं को आमंत्रित किया गया था। पार्टी की ओर से बैठक में हुई चर्चाओं पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन बैठक का समय और इसमें

शामिल नेताओं का स्वरूप बताता है कि भाजपा 2027 के चुनावों को लेकर अभी से जमीन तैयार करना चाहती है। खासतौर पर जेन जी यानी नई पीढ़ी के मतदाताओं को लेकर पार्टी को अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है।

जेन जी की नाराजगी दूर करने की कोशिश

हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों से जुड़े मुद्दों को लेकर युवाओं में असंतोष देखने को मिला है। नीट जैसी परीक्षाओं से जुड़े विवादों ने भी युवा वर्ग में नाराजगी को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। ऐसे माहौल में भाजपा के सामने चुनौती केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने की नहीं, बल्कि युवाओं की शिकायतों को सुनने और उन्हें यह भरोसा दिलाने की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए फ्रेंड्स शब्द का इस्तेमाल इसी संवाद की शैली का हिस्सा माना जा सकता है। संदेश यह है कि सरकार और पार्टी नई पीढ़ी को अपने विरोधी खेमे के रूप में नहीं देखती। युवाओं की नाराजगी को राजनीतिक टकराव में बदलने के बजाय उनके साथ संवाद स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि युवाओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान को कितना प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारा जाता है।

नशामुक्ति को युवाओं के अभियान से जोड़ने की पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 137वें एपिसोड में युवाओं से नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य रचनात्मक कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने माना कि युवाओं की रचनात्मक क्षमता और सोशल मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने में किया जा सकता है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो नशामुक्ति का मुद्दा भाजपा के लिए युवाओं तक पहुंच बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। पंजाब सहित कई राज्यों में नशे की समस्या लंबे समय से गंभीर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रही है। ऐसे में नशामुक्ति को केवल सरकारी अभियान के बजाय युवाओं के नेतृत्व वाले सामाजिक अभियान का रूप देने की कोशिश पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। युवा यदि स्वयं वीडियो, पोस्ट, अभियान और जागरूकता सामग्री तैयार करते हैं तो संदेश राजनीतिक भाषण की तुलना में अधिक सहजता से नई पीढ़ी तक पहुंच सकता है।

आज की जेन जी राजनीति को पारंपरिक भाषणों और पोस्टरों से अलग नजरिए से देखती है। वह मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जानकारी हासिल करती है और अपनी प्रतिक्रिया भी उसी माध्यम से देती है। भाजपा इस बदलाव को समझते हुए युवाओं के लिए नए तरह के कंटेंट और संवाद की रणनीति तैयार कर रही है।

मन की बात में नशामुक्ति पर कंटेंट बनाने की अपील और दूसरी ओर नितिन नवीन की युवा आउटरीच बैठक, दोनों घटनाओं को एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। पार्टी युवाओं को केवल राजनीतिक संदेश का उपभोक्ता बनाने के बजाय उन्हें संदेश का निमार्ता भी बनाना चाहती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में स्वच्छता के महत्व का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश के रामपुर के पटवाई गांव के युवाओं आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने क्लीन अप पटवाई टीम बनाकर युवाओं के साथ गंगा घाटों की सफाई की, तालाबों को संवारा और बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा हटाया। इसी तरह आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज की एवोकाडो खेती का उदाहरण देकर प्रधानमंत्री ने कृषि में नए अवसरों और युवाओं की बदलती सोच की ओर भी ध्यान खींचा।

इन उदाहरणों के माध्यम से सरकार यह संदेश देने की कोशिश कर रही है कि युवा केवल नौकरी तलाशने वाला वर्ग नहीं, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था में नए अवसर पैदा करने वाला वर्ग भी है। स्वच्छता, खेती, खेल, तकनीक, नवाचार और नशामुक्ति जैसे मुद्दों को जोड़कर युवाओं के लिए सकारात्मक भागीदारी का रास्ता तैयार किया जा सकता है।

2027 में सात राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होंगे। पार्टी की कोशिश सत्ता में वापसी या सरकारों को बनाए रखने के साथ-साथ युवा मतदाताओं के बीच अपने आधार को मजबूत करने की है। इसके लिए केंद्र और राज्य स्तर पर समीक्षा बैठकों का दौर बढ़ने की संभावना है। सरकार से नाराज युवाओं को फिर से संवाद की मुख्यधारा में लाना भाजपा की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है।

युवा देश की धड़कन हैं। उनके सवालों को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए जोखिम भरा हो सकता है। भाजपा के सामने भी यही चुनौती है कि वह युवाओं को केवल चुनावी मतदाता के रूप में नहीं, बल्कि नीति निर्माण और विकास की प्रक्रिया के भागीदार के रूप में कैसे सामने लाती है। नितिन नवीन की बैठक से यह संकेत जरूर मिल गया है कि 2027 के चुनावों की तैयारी में युवाओं को केंद्र में रखा जाएगा।

अब असली परीक्षा रणनीति को जमीन पर लागू करने की होगी। नशामुक्ति का संदेश, रोजगार और शिक्षा से जुड़े सवाल, प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता, डिजिटल संवाद और युवाओं की भागीदारी यदि वास्तविक नीतियों और प्रभावी कार्रवाई से जुड़ते हैं, तभी भाजपा नई पीढ़ी का विश्वास हासिल कर सकेगी। केवल नारों और सोशल मीडिया अभियानों से यह दूरी पूरी नहीं होगी। युवाओं को विश्वास दिलाना होगा कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके भविष्य को राजनीतिक प्राथमिकता दी जा रही है। 2027 के चुनावों में यही भरोसा भाजपा की रणनीति की सबसे बड़ी कसौटी बनने वाला है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उम्मीद से ज्यादा तेज़ी

ऐसे वक्त में जब अमेरिका-ईरान युद्ध से कच्चे तेल के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और आपूर्ति श्रृंखला बाधित रही, देश की अर्थव्यवस्था में मजबूती का संकेत सुखद ही कहा जायेगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद दर 7.8 रही है। यह प्रदर्शन केंद्रीय बैंक आरबीआई के सात फीसदी की विकास दर के अनुमान से भी अधिक है। यह दर बाजार की उम्मीदों से भी अधिक है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और ग्लोबल अनिश्चितता के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। दरअसल, इस तेज विकास दर को पाने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से मदद मिली है। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सेवा क्षेत्र में दस फीसदी की विकास दर उत्साहजनक रही है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 तथा निर्माण क्षेत्र में विकास दर 7.7 फीसदी की वृद्धि ने देश की आर्थिकी को गति दी है। दरअसल,औद्योगिक विकास ने भी सकल विकास दर को संबल दिया । इससे भारतीय घरेलू अर्थव्यवस्था के महत्व का पता चलता है। उल्लेखनीय है इस दौरान देश में उपभोक्ता मांग अच्छी बनी रही। वास्तव में देश के बड़े उपभोक्ता बाजार ने वैश्विक मांग और व्यापार में आई शिथिलता के बावजूद स्वदेशी आर्थिकी को मजबूती दी है। भले ही देश का विपक्ष इस कामयाबी को आंकड़ों की बाजीगरी बता रहा है लेकिन सरकार इस उपलब्धि पर अपनी पीठ थपथपा सकती है। लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर जारी अस्थिरता के चलते भविष्य में पैदा होने वाले जोखिम कम नहीं हो जाते हैं। विकास दर के इन आंकड़ों के चलते हमें लापरवाह होने से बचना चाहिए। पूंजीगत सामान के ज्यादा उत्पादन व सरकारी पूंजीगत व्यय में वृद्धि से पता चलता है कि देश में संरचनात्मक विकास व निवेश की मांग बनी हुई है। वास्तव में देश के नीति-नियंताओं को हमारी खाद्य श्रृंखला को मजबूती देने वाले और महंगाई को प्रभावित करने वाले कृषि उत्पादन में तेजी लाने की जरूरत है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बीच इस बार देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई असमान बारिश का असर भी कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। देश का कृषि क्षेत्र अभी भी मौसम की मार के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। बहरहाल, पहली तिमाही के उत्साहवर्धक आंकड़े देश की वार्षिक विकास की अनुमानित दर में संशोधन करने की जरूरत को बताते हैं।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता।

मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

रूस अमेरिका सहित दुनिया के अधिकांश देशों में आर्थिक संकट की आहट

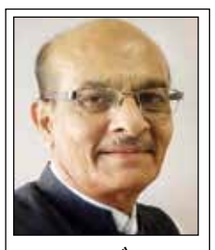

सनत जैन

अमेरिका की अर्थव्यवस्था संकट में पड़ गई है। ईरान के साथ युद्ध के बाद अमेरिका आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से बहुत कमजोर हो गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद जिस तरह से टैरिफ नीतियों को लेकर यूरोप, नाटो सहित दुनिया के अ?धिकांश देशों के साथ जिस तरह की दादागिरी की। जिस तरह से ट्रम्प ने टैरिफ लगाया, उससे अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार गड़बड़ाती चली गई। अमेरिका में महंगाई बढ़ी तेजी के साथ बड़ी इसी बीच ईरान के साथ युद्ध शुरू हुआ। अमेरिका को अहंकार था, वह 15 20 दिन में ईरान को ठिकाने लगा देंगे। ईरान को तो वह ठिकाने लगा नहीं पाए, उल्टे अरब देशों से अमेरिका के पैर उखड़ गए। सारे अमेरिकी सैन्य अड्डे बर्बाद हो गए। 70 फीसदी हथियार खत्म हो गए, जो डर और भय अमेरिका को लेकर सारी दुनिया में बना हुआ था, वह डर और भय भी खत्म हो गया। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर का दबदबा भी सारी दुनिया से खत्म होता जा रहा है। डॉलर के मुकाबले अन्य मुद्राओं से वैश्विक कारोबार शुरू हो चुका है। जिसके कारण अमेरिका आर्थिक रूप से विभिन्न कारणों से कमजोर होता चला जा रहा है। अमेरिका में महंगाई के कारण त्राहिमाम मचा हुआ है। कुछ इसी तरह की स्थिति रूस की भी है। पिछले कई वर्षों से यूक्रेन के साथ वह युद्ध लड़ रहा है। भारी आर्थिक एवं साम?रित नुकसान रुस को उठाना पड़ा है। रूस की आर्थिक स्थिति भी तेजी से खराब हो रही है। उसे अपना सोना बेचना पड़ रहा है। इसके बाद भी युद्ध कब खत्म होगा इसका कोई अता पता नहीं है। रूस और अमेरिका का जो अहंकार था, वह यूक्रेन और ईरान ने एक तरह से तोड़ दिया है। रूस और अमेरिका को युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। यही हाल इजराइल का हुआ है। उनका अहंकार उनके आड़े आ रहा है। इसी बीच चीन ने बड़ी शांति के साथ जब दो महाशक्तियां और दुनिया के अधिकांश देश आपस में लड़ रहे थे। इसका फायदा उठाते हुए व्यापार के जरिए अपनी आर्थिक और सामरिक स्थिति को मजबूत कर लिया। चीन एक नई महाशक्ति के रूप में सारी दुनिया के सामने है। चीन के बिना किसी का काम नहीं चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति भारत की है। भारत दो पाटों के बीच में फंसकर बुरी तरह से पिस रहा है। भारत अपने आप को विश्व गुरु के रूप में प्रचारित करके तथा सबसे बड़ा बाजार होने का अहंकार पालकर जिस तरह की गलतियां पिछले एक दशक से कर रहा है। उसके कारण भारत की आर्थिक स्थिति भी दिनों दिन खराब होती जा रही है। सरकार कोई भी दावा करे, उन दावों के विपरीत भारत की आर्थिक स्थिति है। भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। भारत का सामरिक खर्च बढ़ता चला जा रहा है। 20 से 25 करोड युवा बेरोजगारी के शिकार हैं। गरीब आदमी गरीब होता चला जा रहा है। महंगाई बढ़ती चली जा रही है। 80 करोड लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। इसके बाद भी भारत सरकार भी जिस तरह से रूस और अमेरिका अपने अहंकार से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, कुछ वही स्थिति भारत की देखने को मिल रही है। भारत चीन के ऊपर निर्भर होता चला जा रहा है। चीन का आयात भारत में साल दर साल बढ़ता चला जा रहा है। उसके मुकाबले निर्यात घटता जा रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। भारत और चीन के बीच में प्रतिस्पर्धा है। सीमा विवाद है, भारतीय सीमाओं पर चीन का अनधिकृत कब्जा बढ़ता जा रहा है। उसके बाद भी भारत सरकार चीन के सामने बेबस नजर आ रही है। अब आर्थिक स्थिति को संभालना और महंगाई से निपटना भारत सरकार के लिए बहुत मुश्किल हो गया है। वहीं अमेरिका, चीन, रूस के तीन पाटों के बीच में फंसकर भारत लगातार पिस रहा है। सभी महाशक्तियां भारत को अपने इशारे पर नचा रही हैं। भारत को उनके इशारों पर नाचना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति इसके पहले कभी नहीं थी। अब जिस तरह की आर्थिक मंदी की वैश्विक स्थिति बन रही है। उसने भारत की चिताओं को बढ़ा दिया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को वास्तविक सत्य के आधार पर अपनी नीतियां बनानी होगी। अहंकार से बाहर निकलना होगा। तभी जाकर स्थितियों में सुधार लाया जा सकता है।

आईआईएस अधिकारी केवल संचारक नहीं,शासन और जनता के बीच मजबूत कड़ी

विनोद सिंह 'तकियावाला'

सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने की अंहम जिम्मेदारी...

नई दिल्ली। लोकतंत्र में सरकार और जनता के बीच संबंध केवल नीतियों, योजनाओं और निर्णयों से निर्धारित नहीं होते, बल्कि इन दोनों के बीच होने वाला संवाद इस रिश्ते की वास्तविक मजबूती तय करता है।सरकार की नीतियां कितनी भी जनकल्याणकारी क्यों न हों, यदि उनकी सही जानकारी नागरिकों तक नहीं पहुँचती अथवा जनता उन नीतियों के उद्देश्य और लाभ को समझ नहीं पाती, तो शासन और नागरिकों के बीच विश्वास की वह कड़ी मजबूत नहीं हो सकती, जिसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

इसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के केंद्र में भारतीय सूचना सेवा यानी आईआईएस के अधिकारी आते हैं। इन अधिकारियों की भूमिका केवल सरकार की सूचनाओं, योजनाओं और उपलब्धियों को मीडिया अथवा जनता तक पहुँचाने तक सीमित नहीं है।वे शासन और नागरिकों की आकांक्षाओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु हैं।उनकी जिम्मेदारी सरकार की बात जनता तक पहुँचाने के साथ-साथ जनता की आवाज,अपेक्षाओं और प्रतिक्रियाओं को शासन तक पहुँचाने की भी है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव ने आईआईएस अधिकारियों की इसी व्यापक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा है कि उनकी जिम्मेदारी संचार से आगे बढ़कर शासन और नागरिकों के बीच विश्वास निर्माण की है। यह विश्वास सटीकता,विश्वसनीयता और संवेदनशीलता के आधार पर ही कायम किया जा सकता है।आज के दौर में इस भूमिका का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों ने संचार की गति को अभूतपूर्व बना दिया है। किसी घटना,सरकारी निर्णय अथवा योजना से संबंधित सूचना कुछ ही क्षणों में देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुँच सकती है।सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का प्रसार तेज हुआ है, मगर इसी के साथ गलत सूचना, अधूरी जानकारी और भ्रामक दावों की चुनौती भी गंभीर हुई है।ऐसे वातावरण में आईआईएस अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल सूचना को तेजी से प्रसारित करने की नहीं,बल्कि सही और प्रमाणिक सूचना को सही संदर्भ में जनता तक पहुँचाने की है। सरकारी संचार में एक छोटी-सी तथ्यात्मक गलती भी नागरिकों के विश्वास को प्रभावित कर सकती है।इसके विपरीत स्पष्ट,तथ्यपरक और पारदर्शी संवाद सरकार और जनता के बीच भरोसे को मजबूत करता है।सरकारी योजनाओं और नीतियों के प्रचार-प्रसार को भी इसी दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।किसी योजना की घोषणा कर देना और उसके आंकड़े जारी कर देना संचार की पूर्ण प्रक्रिया नहीं है।वास्तविक चुनौती यह है कि आम नागरिक उस योजना का उद्देश्य समझ सके, यह जान सके कि उसका लाभ किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है और उसके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ेगा।यहीं आईआईएस अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।उन्हें जटिल सरकारी नीतियों और प्रशासनिक भाषा को सरल,स्पष्ट और जनसुलभ भाषा में प्रस्तुत करना होता है। जनता को केवल यह बताना पर्याप्त नहीं कि सरकार ने क्या निर्णय लिया है, बल्कि यह भी समझाना आवश्यक है कि निर्णय क्यों लिया गया और उससे नागरिकों को क्या लाभ होगा।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह जिम्मेदारी और चुनौतीपूर्ण है। देश के अलग-अलग हिस्सों में भाषा,संस्कृति,सामाजिक परिस्थितियों और नागरिकों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इसलिए सरकारी संचार को केवल एक औपचारिक संदेश तक सीमित नहीं रखा जा सकता।उसे स्थानीय परिस्थितियों और समाज की संवेदनशीलताओं के अनुरूप भी बनाया जाना आवश्यक है।आईआईएस अधिकारी इसी विविधता को ध्यान में रखते हुए सरकार और समाज के बीच संवाद को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।उन्हें शासन की भाषा को जनता की भाषा में बदलने के साथ-साथ जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाने वाला माध्यम भी बनना होगा।लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद एकतरफा नहीं हो सकता।यदि सरकार केवल अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी जनता तक पहुँचाती रहे और नागरिकों के सवालों, समस्याओं तथा प्रतिक्रियाओं को सुनने की व्यवस्था कमजोर हो,तो संवाद अधूरा रह जाता है। वास्तविक लोकतांत्रिक संचार वही है जिसमें सरकार बोलती भी है और जनता को सुनती भी है।आईआईएस अधिकारी इस दोतरफा संवाद की महत्वपूर्ण कड़ी हैं।मीडिया और जनता के साथ उनका संपर्क उन्हें समाज की बदलती सोच और अपेक्षाओं को समझने का अवसर देता है। यह जानकारी शासन के लिए भी उपयोगी हो सकती है। जनता किन मुद्दों को लेकर चिंतित है, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कहां कठिनाइयां हैं और किन क्षेत्रों में अधिक जानकारी की आवश्यकता है,इन सबका संज्ञान लेकर संचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।संचार में संवेदनशीलता का महत्व भी कम नहीं है।आंकड़ों और सरकारी उपलब्धियों के पीछे आम नागरिक का जीवन जुड़ा होता है।किसी किसान,श्रमिक,महिला, युवा,वरिष्ठ नागरिक अथवा छोटे उद्यमी के लिए सरकारी योजना का अर्थ केवल एक आंकड़ा नहीं,बल्कि उसके जीवन में संभावित बदलाव है।इसलिए सरकारी संचार में मानवीय दृष्टिकोण आवश्यक है।

आईआईएस अधिकारियों को तकनीकी दक्षता के साथ इस मानवीय पक्ष को भी समझना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकारी संदेश केवल बड़े शहरों और डिजिटल माध्यमों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के उन वर्गों तक भी पहुँचे जो सूचना के आधुनिक साधनों तक समान रूप से पहुंच नहीं रखते।

आज सरकारी संचार के सामने एक और बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है।जब नागरिकों के सामने सूचनाओं के अनेक स्रोत मौजूद हों,तब आधिकारिक सूचना की विश्वसनीयता तभी कायम रह सकती है जब उसमें तथ्य, पारदर्शिता और जिम्मेदारी दिखाई दे।आईआईएस अधिकारियों को इस विश्वास की रक्षा करनी होगी।उनकी भूमिका इसलिए केवल ह्यसरकारी

सूचना पहुँचाने वाले अधिकारीह्न की नहीं है।वे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में संवाद के प्रतिनिधि हैं।उनके माध्यम से सरकार की नीतियां जनता तक पहुँचती हैं और जनता की आवाज शासन तक जाती है। इसीलिए उनके काम में प्रशासनिक दक्षता के साथ पत्रकारिता की समझ,सामाजिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ भी आवश्यक है।वर्तमान समय में सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है।यह विश्वास केवल घोषणाओं से नहीं बनता।इसके लिए निरंतर संवाद,सही जानकारी,स्पष्ट भाषा, पारदर्शिता और जनता की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है । आईआईएस अधिकारी इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा सकते हैं।यदि सरकारी संचार सटीकता के साथ विश्वसनीयता और संवेदनशीलता को भी अपना आधार बनाए,तो वह केवल सूचना का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत पुल बन जाएगा।यही आईआईएस अधिकारियों की वास्तविक भूमिका है - सरकार की आवाज को जनता तक पहुँचाना और जनता की आकांक्षाओं को शासन तक पहुँचाना।लोकतंत्र में इस संवाद की कड़ी जितनी मजबूत होगी, शासन और नागरिकों के बीच विश्वास भी उतना ही गहरा होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

चीन में जन्मदर में तेज गिरावट 2025 में जन्मे 79.2 लाख बच्चे

बीजिंग, एजेंसी। चीन में आबादी बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद जन्मदर में फिर गिरावट दर्ज की गई है। 2025 में देश में 79.2 लाख बच्चों का जन्म हुआ, जबकि इस दौरान 1.13 करोड़ लोगों की मौत हुई। इसके साथ चीन की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि दर घटकर शून्य से 2.41 प्रति हजार नीचे पहुंच गई। यह आंकड़ा 2024 में दर्ज -0.99 प्रति हजार की तुलना में कहीं अधिक नकारात्मक है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग की ओर से शुक्रवार को जारी 2025 के स्वास्थ्य विकास संबंधी सांख्यिकीय बुलेटिन में यह जानकारी सामने आई।

अमेरिका में केरल की दो महिलाओं की हत्या

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में केरलम की दो महिलाओं की हत्या कर दी गई। मृतक महिलाओं की दोस्त कोट्टयम की अनिला को हत्या के शक में अमेरिकी पुलिस की हिरासत में है। तीनों महिलाएं एक ही अपार्टमेंट में रहती थीं। आरोप है कि अनिला ने एन पर चाकू से हमला किया और बाद में कार से अंजना को टक्कर मार दी। मृतकाओं की पहचान त्रिशूर के मुडिक्कोड की रहने वाली अंजना और तिरुवनंतपुरम के केशवदासपुरम की रहने वाली एन मैथ्यू के तौर पर की गई। अंजना के रिश्तेदार विनोद के मुताबिक, अंजना 2021 में अमेरिका गई थीं। उनके पति विजीश और छह साल की बेटी सदमे में हैं।

एससीओ में आतंकवाद पर भारत के रुख को मिली बड़ी जीत

बिश्केक (ईएमएस)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बिश्केक शिखर सम्मेलन में जारी घोषणापत्र ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के पुराने और दृढ़ रुख को ऐतिहासिक मजबूती दी है। इस घोषणापत्र पर सभी सदस्य देशों की सर्वसम्मति और हस्ताक्षर भारत की उस नीति को रेखांकित करते हैं, जिसके तहत आतंकवाद के प्रति किसी भी तरह की नरमी अस्वीकार्य है। यह घोषणा पत्र भारत की उस लगातार मांग का समर्थन करता है कि आतंकवाद को लेकर किसी तरह का दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बिश्केक घोषणापत्र में सभी देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सदस्य देश आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड को पूरी तरह अस्वीकार्य मानते हैं। घोषणा में स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकी, अलगाववादी और चरमपंथी समूहों के उपयोग की निंदा करते हुए क्रॉस-बॉर्डर आतंकवादियों की आवाजाही सहित सभी आतंकी संगठनों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका के साथ सामूहिक कार्रवाई का आह्वान किया गया है। यह भाषा भारत की प्राथमिकताओं से पूरी तरह मेल खाती है। एमईए ने शिखर सम्मेलन के 13 प्रमुख परिणामों का उल्लेख कर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए यूनिवर्सल सेंटर की नियमावली को महत्वपूर्ण बताया, जो आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ सहयोग बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मेलन में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की उपस्थिति में आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया।

अमेरिका ने शादी समारोह तो ईरान ने जॉर्डन-बहरीन पर किया हमला

तेहरान/वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमले की पुष्टि करते हुए एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकानों, माइन बिछाने की क्षमता और कम्युनिकेशन साइट्स को निशाना बनाने का दावा किया है। दूसरी ओर, ईरान ने आरोप लगाया है कि दक्षिणी ईरान के सिरिक इलाके में अमेरिकी हमले की चपेट में एक शादी समारोह भी आया, जिसमें कई लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात कही गई है। ईरान के खुजस्तान प्रांत में भी अमेरिकी हमले में 7 लोगों की मौत और 8 लोगों के घायल होने का दावा किया गया है।

समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावित : यूएन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक ??कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है। पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है।

इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के

विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है। ' रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, 'कृपया समुद्र के बढ़ते जलस्तर को एक बड़ी व्यवस्थागत समस्या के तौर पर देखें, क्योंकि इसका असर सेहत, खाद्य सुरक्षा, मानवाधिकारों और संस्कृति पर पड़ेगा। आप अपनी पुश्तैनी जमीन और अपनी पहचान खो देंगे। इसलिए सरकारों को इस मुद्दे को अपनी योजना बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए बहुत व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। '

पिछले सप्ताह नेपाल-तिब्बत सीमा पर हिमालय से ग्लेशियर के टूटने और नीचे गिरने से पानी और कीचड़ का सुनामी जैसा सैलाब आया, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और कई इलाके बर्बाद हो गए। दक्षिण एशिया पर ग्लेशियरों के पिघलने या नीचे गिरने के असर के बारे में पूछे जाने पर हनीफ ने कहा कि हिमालय के ग्लेशियरों को 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव हैं और दक्षिण एशिया में दुनिया के ग्लेशियरों का बड़ा जमावड़ा होने के कारण इसे 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है। अगले 15 से 20 सालों में दक्षिण एशिया के लिए ग्लेशियरों के पिघलने से बाढ़ का खतरा है। उन्होंने कहा कि इसके बाद सूखा पड़ सकता है, जिससे फसलें और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है और बड़े जोखिम पैदा हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में लगभग 77 करोड़ लोग, यानी धरती पर हर दस में से लगभग एक व्यक्ति खतरे में हैं, क्योंकि वे ऐसे तटीय इलाकों में रहते हैं, जो हाई-टाइड लाइन (ज्वार-भाटा के दौरान पानी के अधिकतम स्तर की रेखा) से पांच मीटर से भी कम ऊंचे हैं और पहले से ही बड़े खतरों का सामना कर रहे हैं। अनुमान है कि दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर बढ़ने से जुड़े खतरों के कारण कम से कम 1.8 ट्रिलियन डॉलर की कीमत वाले इंफ्रास्ट्रक्चर को खतरा है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'समुद्र का जलस्तर बढ़ने से पहले ही शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर, जल प्रणालियों, परिवहन, ऊर्जा ग्रिड, इमारतों और भूजल संसाधनों को नुकसान पहुंच रहा है। इसके दूरगामी परिणाम हो रहे हैं, जो लंबे समय में मानवाधिकारों के प्रभावी उपभोग के लिए खतरा पैदा करते हैं। '

रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा सबसे अधिक द्वीपीय देशों को महसूस होगा, लेकिन यह खतरा भौगोलिक सीमाओं को नहीं मानता। रिपोर्ट में कहा गया है, 'उदाहरण के लिए, अमेरिका में मियामी और न्यूयॉर्क और चीन में ग्वांगझू जैसे अधिक आय वाले शहरों में मुख्य असर तटीय इंफ्रास्ट्रक्चर पर पड़ने वाला भारी वित्तीय जोखिम है, जिसमें खतरे में पड़ी संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 2 ट्रिलियन डॉलर से 3.5 ट्रिलियन डॉलर के बीच है।

साठगांठः चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है। चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया। इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लूएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है। कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा।

व्हाइट हाउस में 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम निर्माण को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में प्रस्तावित 40 करोड़ डॉलर के भव्य बॉलरूम के निर्माण को फिलहाल जारी रखने की सोमवार को अनुमति दे दी। अदालत के इस फैसले को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ी जीत के तौर पर देखा जा रहा है, जो अभूतपूर्व कार्यकारी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राजधानी की तस्वीर और स्वरूप को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप बदलने का काम कर रहे हैं। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के उस अस्थायी आदेश की जगह लेगा, जो उन्होंने अधीनस्थ अदालत के निर्माण कार्य रोकने के फैसले के प्रभावी होने से कुछ घंटे पहले जारी किया था।

हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने सोमवार के ताजा आदेश से सार्वजनिक रूप से असहमति जताई और उन्होंने अदालत के तीन उदारवादी न्यायाधीशों का साथ दिया जिन्होंने निर्माण परियोजना को 'संभावित रूप से गैरकानूनी' करार दिया। बहुमत में न्यायाधीशों ने परियोजना की वैधता पर कोई अंतिम फैसला नहीं दिया। उनका कहना है कि निर्माण को चुनौती देने वाले संरक्षण समूह के पास संभवतः ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

मामले पर सुनवाई अब अधीनस्थ अदालतों में होगी। हालांकि, अदालती दस्तावेजों के अनुसार परियोजना के अहम हिस्से अगले कुछ महीनों में ही पूरे हो सकते हैं। इस मामले में अधीनस्थ संघीय अदालतों ने परियोजना पर रोक लगाते हुए कहा था कि इसके लिए कांग्रेस (संसद) की मंजूरी जरूरी है जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया। 'नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन' ने मुकदमा दायर कर कहा है कि ट्रंप को एकतरफा तरीके से यह काम शुरू करने का अधिकार नहीं है। परियोजना के तहत 'व्हाइट हाउस' के ईस्ट विंग को गिराया जा चुका है। संगठन के वकीलों का आरोप है कि 'व्हाइट हाउस' निर्माण कार्य में तेजी लाकर 'अदालतों की सुनवाई से पहले ही काम पूरा करने' की कोशिश कर रहा है।

'उन पर कड़ा प्रहार करेंगे', जॉर्डन में मिसाइल अटैक के बाद ट्रंप ने ईरान को दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान की कार्रवाई के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सोमवार (स्थानीय समयानुसार) ट्रंप ने कहा कि ईरान ने रात के दौरान जॉर्डन में तैनात अमेरिकी बलों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। अमेरिका इसका जवाब देगा। फॉक्स न्यूज को दिए एक फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हम उन पर कड़ा प्रहार करेंगे। इसका जवाब दिया जाएगा।' राष्ट्रपति ने बताया कि रात में दागी गई ईरानी मिसाइलों में से एक को अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली ने जानबूझकर नहीं रोका, क्योंकि आकलन में पाया गया था कि वह किसी लक्ष्य को नहीं लगेगी। वहीं, बाकी आने वाली मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि बातचीत की संभावना

अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'वे बातचीत करना चाहते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि उनके साथ किसी समझौते पर भरोसा किया जा सकता है या नहीं।' ट्रंप ने कहा कि 'प्रतिबंधों का असर अब बहुत मजबूती से दिखाई दे रहा है। फॉक्स न्यूज ने एक अमेरिकी सूत्र के हवाले से बताया कि ईरान ने रविवार को जॉर्डन में अमेरिकी बलों पर कम से कम आठ बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह हमला अमेरिका की ओर से लारक द्वीप पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मिसाइल लॉन्चरों पर किए गए हवाई हमले के बाद हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दूसरी ओर, ईरान की फर्स न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि ईरानी सेना ने जॉर्डन में स्थित किंग हुसैन और अल-अजराक अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मौजूद 'तकनीकी और रखरखाव ढांचे' तथा उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां 'दुश्मन के लड़ाकू विमान' तैनात थे। ईरान का दावा है कि इस हमले से भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने लारक द्वीप पर किए गए हमले को 'सीमित और सटीक कार्रवाई' बताया। उसका कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की उन माइन बिछाने वाली सैन्य क्षमताओं के खिलाफ की गई थी, जो होर्मुज स?ट्रेट से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों और वैश्विक व्यापार के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रही थीं। हमले के बाद आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि इस कार्रवाई में कई सैन्यकर्मी और आम नागरिक मारे गए या घायल हुए हैं। संगठन ने कहा कि इस हमले का जवाब 'आक्रमणकारी को सजा देकर' दिया जाएगा। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने अनौपचारिक रिपोर्टों के आधार पर कहा कि लारक द्वीप पर हुए अमेरिकी 'ड्रोन हमले' में कम से कम दो लोगों की मौत हुई और दो अन्य घायल हुए हैं।

उत्तरी साइप्रस के तट पर फेरी डूबने से आठ यात्रियों की मौत, 18 लोग लापता

निकोसिया, एजेंसी। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी साइप्रस तट के पास एक तुर्की फेरी के डूबने के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है, जबकि 18 लोग अब भी लापता हैं। डबल-हल वाली इस फेरी में 259 यात्री और 8 चालक दल के सदस्य सवार थे। रविवार दोपहर कायरिनिया बंदरगाह से रवाना होने के कुछ ही समय बाद फेरी में पानी भरना शुरू हो गया और वह पलट गई। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार तक 241 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। सि?न्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, पलटने बाद में फेरी समुद्र में 500 मीटर से अधिक गहराई में डूब गई। यह अभी साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति जहाज के अंदर फंसा था या नहीं। हालांकि सोशल मीडिया पर

सामने आए कुछ वीडियो से संकेत मिला कि फेरी के डूबने के समय उसके एक हिस्से में अभी भी कुछ लोग मौजूद थे। तुर्की ने बताया कि वह खोज अभियान में मदद के लिए एक गहरे समुद्र में काम करने वाला रिमोट संचालित वाहन (आरओवी) भेज रहा है। यह उपकरण मंगलवार तक दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने फेरी के कप्तान और चालक दल के सात अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस फेरी में पहले भी पानी रिसने की समस्या रही थी और उसकी मरम्मत कराई गई थी। कुछ बचे हुए यात्रियों ने दावा किया कि कप्तान और चालक दल के सदस्य सबसे पहले नाव से बाहर निकल गए और यात्रियों को सुरक्षित निकलने के लिए कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिए गए। शनिवार को साइप्रस में तेज तूफान आया था और रविवार को भी समुद्र की स्थिति काफी खराब बनी हुई थी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि उस समय मौसम को देखते हुए फेरी का कायरिनिया से लगभग 120 किलोमीटर उत्तर में स्थित तुर्की के तासुकु बंदरगाह के लिए रवाना होना सुरक्षित माना गया था। अधिकारियों ने कहा कि फेरी के पलटने की असली वजह की जांच अभी जारी है। इस साल की शुरुआत में सूडान में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी। उत्तरी सूडान के नील राज्य में एक यात्री फेरी नदी में डूब गई थी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई थी। सूडान की सिविल डिफेंस अथॉरिटी के एक अधिकारी के अनुसार, ऊंची लहरों के कारण नाव पलट गई थी। बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर 15 से अधिक शव बरामद किए थे। इस हादसे में 8 लोग बच गए थे, जबकि लगभग 4 लोग लापता बताए गए थे। फिलहाल साइप्रस में डूबी फेरी के लापता यात्रियों की तलाश जारी है और बचाव दल उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द बाकी लोगों का पता लगाया जा सके।

राहुल पर एफआईआर को लेकर भड़के सैम पित्रोदा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया कार्यक्रम और उनके 'मानवता की एकता' वाले बयान पर सवाल उठाए हैं। पित्रोदा ने कहा कि केवल बयान देने से बात नहीं बनती, बल्कि किसी विचार की असली परीक्षा उसके अमल में होती है।

भागवत के बयान पर पित्रोदा ने क्या कहा : मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कहा था कि अलग-अलग धर्म भले ही अलग रास्तों पर चलते हों, लेकिन मानवता और सत्य एक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर इंसान की गरिमा समान है। भागवत के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और बौद्ध समुदाय के लोगों से पूछा जाना चाहिए कि वे मौजूदा हालात को किस तरह देखते हैं। पित्रोदा ने कहा कि एक तरफ सभी का सम्मान करने की बात कही जाती है और दूसरी तरफ किसी के साथ मारपीट की घटनाएं होती हैं। उनके मुताबिक, 'बातों से ज्यादा काम मायने रखता है।

अमेरिका में भागवत के कार्यक्रम को लेकर क्यों हुआ विवाद : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने संगठन के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रवासियों, भारतीय-अमेरिकी कारोबारियों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। न्यूयॉर्क में उनके कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक विरोध भी देखने को मिला। न्यूयॉर्क

के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत की यात्रा का विरोध किया था। कुछ नगर परिषद सदस्यों ने भी कार्यक्रम स्थल पर आयोजन रद्द करने की मांग की थी। हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर भी पित्रोदा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस नेता की तारीफ करते हुए राहुल गांधी को मजबूत और दृढ़ नेता बताया। पित्रोदा ने दावा किया कि देश की संस्थाओं में सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण का असर पड़ा है। उन्होंने न्यायपालिका, चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय और स्थानीय पुलिस समेत कई संस्थाओं की स्वतंत्र भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। पित्रोदा ने हाल में संपन्न संसद के मानसून सत्र को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संसद में बहस के दौरान कई बार एक-दूसरे पर चिल्लाने की स्थिति दिखाई देती है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार कई मुद्दों पर दबाव में नजर आई। भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों पर भी सैम पित्रोदा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास का आकलन केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उसका फायदा आम लोगों तक कितना पहुंचा। पित्रोदा ने पूछा कि क्या यह वृद्धि देश के लोगों के लिए है।

नेपाल बाढ़ : त्रासदी में अब तक 939 लोगों ने गंवाई जान, करीब 4000 लापता; राहत एवं बचाव अभियान जारी

काठमांडो , एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास भोटेकोशी नदी में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने दोनों ही देशों के इलाकों में भीषण तबाही मचाई है। इस बाढ़ में अब तक 939 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 4000 लोग अब भी लापता हैं। नेपाल-तिब्बत में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। वहीं, नेपाल के नुवाकोट के बिदुर में सेना की ओर से बचाव अभियान जारी है। बाढ़ से भोटेकोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों के प्रभावित होने के कारण त्रिशूली क्षेत्र के एक बाजार में कई दुकानें नष्ट हो गईं। बताया जा रहा है कि नुवाकोट में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है।

भारतीय टनल टीम ने संभाला मोर्चा, 158 भारतीयों का रेस्क्यू : काठमांडू। नेपाल और तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति भयावह बनी हुई है। सोमवार को नेपाल के नुवाकोट स्थित बिदुर इलाके में मलबे में तब्दील हो चुके एक ही घर से बच्चे समेत 24 शव बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मलबे में अभी और शव दबे होने की आशंका है। आपदा में अब तक कुल 955 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है (नेपाल में 939 और तिब्बत में 16), जबकि 4,471 लोग अब भी लापता हैं। करीब 65 हजार प्रभावितों तक तात्कालिक राहत सामग्री पहुंचाई गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार पिछले सप्ताह आई बाढ़ के बाद से अब तक 158 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में टनल रेस्क्यू: नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव के अनुसार, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे और लांगटांग जलविद्युत परियोजनाओं में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। चिलिमे में टीम दुर्गम रास्तों को पार कर सुरंग तक पहुंच गई है, जबकि लांगटांग में सुरंग के 185 मीटर भीतर तक सघन तलाशी ली गई है। फॉरेंसिक सहायताः भारतीय फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम काठमांडू स्थित नेपाल पुलिस की

सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब के साथ मिलकर मृतकों की पहचान और दस्तावेजीकरण में सहयोग कर रही है।

उत्तर प्रदेश में गंडक नदी से मिले 17 शव : कुशीनगर व महराजगंज में रिकवरीः नेपाल में आई बाढ़ के तेज बहाव में बहकर उत्तर प्रदेश की गंडक नदी में पहुंचे 17 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 13 शव कुशीनगर (खड्डा और तमकुही राज तहसील) से मिले हैं, जबकि महराजगंज से मिले 4 शवों (3 महिलाएं शामिल) को पोस्टमार्टम और डीएनए सैंपलिंग के बाद नेपाल प्रशासन को सौंप दिया गया है। नेपाल सरकार ने बनाया 21-दिवसीय टास्क फोर्स, चीन का दावा

21 दिन का एक्शन प्लान: नेपाल सरकार ने रसुवा के भोटेकोशी नदी से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा बहाल करने के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। यह टीम सड़क, झूला पुल, पेयजल, संचार और स्वास्थ्य सेवाओं को 21 दिनों के भीतर युद्धस्तर पर बहाल करेगी।

डेटा साझा करने पर चीन की सफाई: पूर्व चेतावनी न देने के आरोपों पर चीन ने स्पष्ट किया कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने घटना से 12 दिन पूर्व ही नेपाल को भारी बारिश, भूस्खलन और फ्लैश फ्लड को लेकर ईमेल के जरिए अलर्ट भेज दिया था।

ईशांत शर्मा: कपिल देव के बाद टेस्ट में भारत के दूसरे सफलतम तेज गेंदबाज

पांच साल से पहले खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को उनकी लंबाई और निरंतरता के साथ 150 के आस-पास की गति के साथ गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के छठे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वहीं कपिल देव के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। ईशांत शर्मा का जन्म 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2006 में दिल्ली के लिए डेब्यू किया। छह फीट चार इंच लंबे ईशांत शर्मा के पास वह सारी क्षमताएं थी, जो एक तेज गेंदबाज में होनी चाहिए। उनके पास गति के अलावा, स्विंग, और बाउंस था, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल खड़ी करता था। विराट कोहली, शिखर धवन, गौतम गंभीर जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ईशांत को मई 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में पदार्पण के ठीक एक साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले ईशांत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया और जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भारतीय तेज गेंदबाजी का

प्रमुख चेहरा बन गए। ईशांत ने देश और विदेश दोनों जगहों पर सफलता प्राप्त की। एमएस धोनी की कप्तानी में 2013 में इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैंपियस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के ईशांत अहम सदस्य रहे।

शर्मा का व्यापक असर टेस्ट क्रिकेट में दिखा। विराट कोहली की कप्तानी में देश और विदेश में टेस्ट में भारतीय टीम को मिली सफलता की एक वजह ईशांत की गेंदबाजी भी रही। शर्मा भारत के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल हो सकी है।

38 साल के होने जा रहे ईशांत शर्मा ने भारतीय टीम के लिए 105 टेस्ट मैच, 80 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट मैचों में उनके 311, वनडे में 115 और टी20 में 8 विकेट दर्ज हैं। ईशांत नवंबर 2021 के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं।

ईशांत निश्चित रूप से अब भारतीय टीम की योजना में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अब तक संन्यास नहीं लिया है। वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट में करारी हार के बाद पाकिस्तान का बड़ा एक्शन

इंग्लैंड दौरे से 7 खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ की छुट्टी, माइक हेसन को कमान

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 194 रनों की करारी शिकस्त और सीरीज में 0-2 से पिछड़ने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कड़े कदम उठाए हैं। पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे के बीच से ही अपनी लगभग आधी टीम बदलते हुए 7 प्रमुख खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके साथ ही मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया है। टीम से बाहर किए गए 7 खिलाड़ी और उनके रिप्लेसमेंट पीसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार, खराब प्रदर्शन के चलते बाहर किए गए खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों को तीसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड भेजा जा रहा है।

वापस बुलाए गए खिलाड़ी (7): मोहम्मद रिज़वान, इमाम-उल-हक़, सलमान अली आग़ा, आमिर जमाल, खुर्रम शहज़ाद, अली उस्मान और ओवैस ज़फर।

नए शामिल खिलाड़ी (7): साइम अयूब, अब्दुल्ला फ़ज़ल, अराफ़ात मिन्हास, इमरान जूनियर, साद बेग, इमरान रंधावा और रज़ाउल्लाह।

कोचिंग स्टाफ में बड़ा फेरबदल: माइक हेसन को टेस्ट की भी कमान

सरफराज और उमर गुल की छुट्टी: मुख्य कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल की छुट्टी कर दी गई है।

हेसन और नोफ्के को जिम्मेदारी: सीमित ओवरों (व्हाइट-बॉल) के मुख्य कोच माइक हेसन को अब टेस्ट (रेड-बॉल) टीम का भी मख्य कोच नियुक्त किया गया है। वहीं एशले नोफ्के को टीम का नया गेंदबाजी कोच बनाया गया है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी

हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डॉगेट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकस्वीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।'

आईसीसी रैंकिंग

विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचीं अट्टापट्टू

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अट्टापट्टू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में

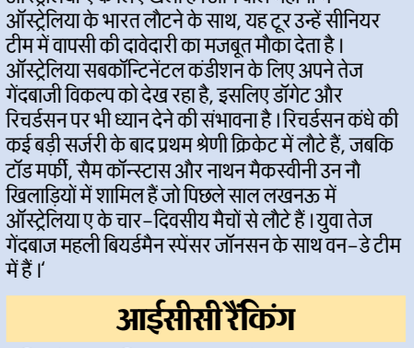

पहुंच गईं। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अट्टापट्टू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गई; साथ ही उनके 444 प्वाइंट्स भी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंट टीम

सरे से जुड़े औकिब नबी

फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60 विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी। इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

विमेंस डीपीएल

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली । विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमें फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गईं, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी गति दी, जबकि समायरा राघव ने 26 गेंदों पर 32 रनों का अहम योगदान दिया, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए रूपाली विश्व मोहन ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। इनके अलावा, मयूरी सिंह, तनिषा सिंह और एकता भड़ाना ने 1-1 विकेट निकाला। 126/5 के मामूली स्कोर का बचाव करते हुए, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अनुशासित गेंदबाजी की और तनावपूर्ण आखिरी ओवर में संयम बनाए रखते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 124/7 के स्कोर पर रोक दिया। भले ही साउथ दिल्ली की शुरुआत ठीक रही, लेकिन टीम के लिए कोई निर्णायक साझेदारी नहीं हुई।

प्रिया पुनिया ने 30 गेंदों पर सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि तनीषा सिंह ने 24 रन और कप्तान श्वेता सहरावत ने 12 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली।

वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश

'सेंट्रल' को 4 विकेट से हराकर फाइनल में 'ईस्ट जोन'

बेंगलुरु । ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़ंत सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिंकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झटके। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था। इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं मिला। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है। नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी*, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर*, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह*, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा*।

20 देशों के तीरंदाज, एक निशाना... अहमदाबाद में होगा पैरा आर्चरी का महाकुंभ

साबरमती रिवरफ्रंट पर पहली बार वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज, भारत के स्टार खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर भारत में पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज (डब्ल्यूएपीएस) की मेजबानी करेगा। इसके अंतर्गत, अहमदाबाद के आइकॉनिक साबरमती रिवरफ्रंट में 5 से 9 सितंबर, 2026 के दौरान पांच दिनों के लिए 20 देशों के 100 से अधिक खिलाड़ी एक साथ निशाना लगाते दिखाई देंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) की ओर से गुजरात सरकार, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात (एसएजी) और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के सहयोग से आयोजित इस ऐतिहासिक इवेंट में दुनिया के अग्रणी पैरा तीरंदाज रिकर्व ओपन, कंपाउंड ओपन, डब्ल्यू1 और विजुअली इम्पेयर्ड (दृष्टिहीन) श्रेणी में मुकाबला करेंगे।

इस इवेंट का विधिवत उद्घाटन 4 सितंबर, 2026 को दी फोरम – होटल एंड कन्वेंशन में होगा। इस समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा, "'हर तीर हिम्मत की कहानी कहता है' की थीम पर आधारित यह उद्घाटन समारोह पैरा-एथलीटों के दृढ़ मनोबल, लचीलेपन और खेलकूद की श्रेष्ठता का जश्न मनाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर सटीकता और समर्पण देखने को मिलेगा।" संघवी ने आगे कहा, "मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल इवेंटस की मेजबानी के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। अहमदाबाद में इस अंतरराष्ट्रीय सीरीज का आयोजन खेल के बड़े कार्यक्रमों के स्थल के रूप में गुजरात की पहचान को और मजबूत करेगा और पैरा-तीरंदाजी को एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा।"

इस प्रतियोगिता में भारत, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, इंडोनेशिया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, कजाकिस्तान, मैक्सिको, स्लोवेकिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, साइप्रस, चेकिया (चेक रिपब्लिक), इराक, रशियन फेडरेशन और श्रीलंका के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत के अग्रणी दावेदारों में पेरिस 2024 पैरालंपिक चैंपियन हरविंदर सिंह, वर्ल्ड पैरा आर्चरी चैंपियन और पैरालंपिक मेडल विजेता शीतल देवी, अर्जुन पुरस्कार प्राप्त और वर्ल्ड पैरा आर्चरी मेडल विजेता राकेश कुमार और पैरालंपियन श्याम सुंदर स्वामी शामिल हैं। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, "अहमदाबाद में हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज का आयोजन करना आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के लिए बहुत ही गर्व की बात है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाजों को भारत में लाने से हमारे खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय मुकाबले का अवसर मिलेगा और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।"

पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी साथ नजर आएगी

एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल इन दिनों अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' के प्रमोशन में बिजी हैं। दिल्ली में हुए एक मीडिया मीट के दौरान दोनों ने फिल्म से जुड़े अपने एक्सपीरियंस शेयर किए और बताया कि वह फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए पहली बार गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल की जोड़ी पर्दे पर साथ नजर आएगी। फिल्म 11 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें कॉमेडी, रोमांस, इमोशन, एक्शन और ड्रामा का पूरा डोज देखने को मिलेगा।

बातचीत में गिप्पी ग्रेवाल ने फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''फिल्म 'सिंह वर्सेस कौर 2' को लेकर मैं काफी एक्साइटेड हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे। मैं और शहनाज गिल पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पहले पार्ट को दर्शकों का काफी प्यार मिला था और इसी वजह से दूसरे पार्ट से भी हमारी काफी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म में कॉमेडी, लव स्टोरी, इमोशन्स, एक्शन और ड्रामा सब कुछ देखने को मिलेगा। पंजाबी सिनेमा में इस तरह की फिल्में कम देखने को मिलती हैं, इसलिए यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस साबित होगी।''

गिप्पी ने फिल्म के म्यूजिक को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिनमें रोमांटिक से लेकर देसी और भांगड़ा नंबर तक शामिल हैं। फिल्म के दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जबकि आने वाले दिनों में एक और गाना रिलीज किया जाएगा, जिसमें बी प्राक शामिल हैं। गिप्पी ग्रेवाल ने अपने किरदार के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''मैं फिल्म में निहाल सिंह का किरदार निभा रहा हूं, जो एक पिंड का देसी लड़का है। उसका किसी काम में मन नहीं लगता। वह अक्सर काम से बचने के लिए बहाने बनाता है और कई बार झूठ भी बोलता है। वह उल्टे-सीधे काम करता रहता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उसकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आता है। निहाल सिंह एक बड़ी जिम्मेदारी उठाने का फैसला करता है और इसी जिम्मेदारी को निभाने के दौरान उसकी जिंदगी में कई तरह की मुश्किलें आती हैं। अब वह इस जिम्मेदारी को कैसे निभाता है और इसके चक्कर में उसे किन हालातों से गुजरना पड़ता है, यही फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा है।''

शहनाज गिल ने भी आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने कहा, ''जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि मैं सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद करती हूं और 'सिंह वर्सेस कौर 2' भी मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार प्रोजेक्ट है। फिल्म में मैं एक बंगाली लड़की का किरदार निभा रही हूं। मेरा किरदार बंगाली लड़की का क्यों है और कहानी में उसकी क्या भूमिका है, यह दर्शकों को फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा। इस किरदार को निभाना मेरे लिए आसान नहीं था, क्योंकि मैं खुद पंजाबी हूं और बंगाली भाषा बोलने में मुझे शुरुआत में काफी परेशानी हुई। हालांकि, मुझे इसके लिए ट्रेनिंग दी गई और इसी ट्रेनिंग की मदद से मैं किरदार को सही तरीके से निभा पाई।'' शहनाज ने शूटिंग के दौरान की मस्ती का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पूरी टीम ने शूटिंग के दौरान खूब मजे किए और सेट पर माहौल काफी अच्छा रहा। जब फिल्म की शूटिंग खत्म हुई तो पूरी टीम थोड़ी उदास हो गई थी। सभी को एक-दूसरे की कमी महसूस हुई थी।

अब फिल्म की बात करें तो 'सिंह वर्सेस कौर 2' को नवनीत सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में गिप्पी ग्रेवाल और शहनाज गिल के साथ प्रिंस कंवलजीत सिंह, रघवीर बोली, हनी मट्ठू, गुलजार चहल, रुपिंदर रूपी, गुरप्रीत भंगू, गुरमीत साजन और भाना ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को गिप्पी ग्रेवाल, रवनीत कौर ग्रेवाल, श्रीकांत मोहता और महेंद्र सोनी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी गुरप्रीत सेहजी ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले कपिल चोपड़ा और गुरप्रीत सहजी ने तैयार किया है। डायलॉग्स चंचल डाबरा और गुरप्रीत सहजी ने लिखे हैं।

जॉम्बी रेड्डी 2 में तेजा सज्जा के साथ नजर आएंगी शनाया कपूर

साउथ सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा की बहुचर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के सीक्वल की घोषणा हो चुकी है। मेकर्स ने खास तौर पर एक्टर के जन्मदिन पर इस जानकारी को साझा किया है। फिल्म में तेजा के साथ एक मशहूर बॉलीबुड एक्ट्रेस भी अपना साउथ डेब्यू करती नजर आएंगी। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' तेजा सज्जा की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की जानकारी आज तेजा सज्जा के 31वें बर्थडे पर फैंस को सरप्राइज के रूप में दी गई।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में होंगे। 'जॉम्बी रेड्डी 2' की कास्ट में एक्ट्रेस शनाया कपूर भी शामिल हो चुकी हैं। इस फिल्म से शनाया, साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करेंगी। वहीं फिल्म में अभिनेता उपेंद्र भी अहम भूमिका में होंगे। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम, नेपाली के साथ-साथ जापानी भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कौन हैं शनाया कपूर?

शनाया कपूर अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस को आखिरी बार फिल्म 'तू या मैं' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव थे। बिजॉय नांबियार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था। इससे पहले शनाया 2025 में विक्रांत मैसी के साथ 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आ चुकी हैं। फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी 2' का निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा करेंगे। यह फिल्म एक हाई ओकेटेन जॉम्बी एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। इससे पहले सुपर्ण ने 'द फैमिली मैन', 'राणा नायडू' और 'हक' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म की कहानी प्रशांत वर्मा ने लिखी है। इसके साथ ही फिल्म का संगीत गौरा हरि ने दिया है। टी.जी. विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है।

फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' के बारे में

तेजा सज्जा की फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म एक्शन-कॉमेडी हॉरर फिल्म थी। यह तेलुगु सिनेमा की सबसे पहली जॉम्बी बेस्ड फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया था। फिल्म की कहानी एक गेम डेवलपर मारियो और उसके दोस्तों के इर्द-गिर्द बुनी गई थी।

आतिश और जेडी की कॉमेडी यानी परफेक्ट शुरुआत

मुंबई अभिनेत्री संदीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, 'ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला।'

गौरतलब है कि संदीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौक़ा नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताज़े अंदाज़ में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश हैं कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला। इस सिलसिले में वे कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज़ बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूँ कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।'

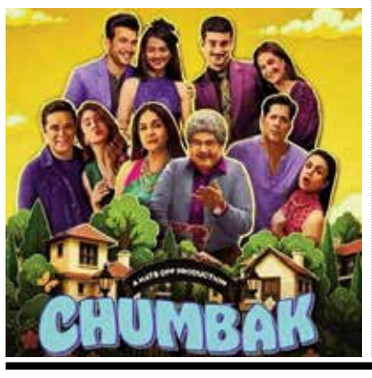

जल्द शुरू होगी कार्तिक आर्यन की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग

कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग जल्द शुरु होने वाली है। कार्तिक आर्यन की मच अवेटेड फिल्मों में से एक 'कैप्टन इंडिया' की तैयारियां शुरु हो गई हैं। फिल्म की शूटिंग 1 सितंबर 2026 से लंदन में शुरू होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं, जिन्हें 'चक दे! इंडिया' जैसी शानदार फिल्म के लिए जाना जाता है। उनकी फिल्मों की कहानियां आज भी दर्शकों से जुड़ती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं।

'गांधारी' के किरदार के लिए मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी

तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' इन दिनों काफी चर्चा में है। फिल्म में छाया कदम भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। एक बातचीत के दौरान दोनों एक्ट्रेस ने अपने किरदार और उसकी तैयारी पर खुलकर बात की।

फिल्म 'गांधारी' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए छाया कदम ने बताया कि उन्हें इस किरदार को आत्मसात करने के लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ी। फिल्म 'गांधारी' में छाया ने बंगाली भाषी महिला का किरदार निभाया है। वह बोलीं, 'इस किरदार के लिए मुझे बंगाली सीखने का मौका मिला। मुझे यह अनुभव बेहद पसंद आया। 'इस भाषा के होने से किरदार में एक नया आयाम जुड़ गया। यह सफर मेरे लिए और भी यादगार बन गया।' अभिनेत्री तापसी पन्नू ने भी फिल्म पर काफी कुछ कहा। एक्ट्रेस ने कहा, 'गांधारी फिल्म देखते समय बानी की हार न मानने की भावना मेरे मन में हमेशा बसी रही, भले ही परिस्थितियां उसके विपरीत थीं। वहीं इस भूमिका के लिए मुझे शारीरिक रूप से काफी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उसकी दृढ़ता, दृढ़ विश्वास और अटूट हौसला ही वह चीज थी जिसने मुझे सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया।'

क्या अमाल मलिक को हो रहा पछतावा?

फरहाना भट्ट से मांगी माफी

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट के साथ अपनी दोस्ती को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। बिग बॉस 19 में साथ रहने के बाद, अमाल और फरहाना ने 'यहीं गुजार दूं' नाम के एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। अब, म्यूजिक कंपोजर ने अपनी बिग बॉस 19 की साथी कंटेस्टेंट से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है।

अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी

एक्स पर अमाल मलिक ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फरहाना और उनके फैनबेस के बारे में अपनी पिछली पोस्ट का जिक्र किया। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट ने माना कि एक्ट्रेस के बारे में उनका एक बयान सही नहीं था। उन्होंने लिखा, मैंने एक बात गलत कही थी, 'तुम्हें 100 पुरुषों के साथ जोड़ने' वाली बात बकवास थी, जो गुस्से में निकल गई थी। हां, यह तुम्हारे नाम का अनादर था। मुझे सच में अफसोस है। मैं तुम्हें हर उस बेवकूफ के लिए जिम्मेदार नहीं मानता जो तुम्हारा फैन होने का दावा करता है। फरहाना के बारे में मेरा बयान गलत, अनावश्यक और अनादरपूर्ण था। मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने वह पिछली पोस्ट एक्ट्रेस के फैनबेस के एक हिस्से की तरफ से महीनों तक उकसाने, अपमानित करने, एडिट्स और धमकियों के बाद लिखी थी।

सीक्रेट रोमांस की थ्योरी को खारिज किया

अमाल ने फरहाना के साथ अपने सीक्रेट रोमांस की थ्योरीज को खारिज कर दिया। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट ने बताया कि म्यूजिक वीडियो रिलीज होने के बाद से वह और अभिनेत्री एक-दूसरे से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने मिलने की योजना बनाई थी, लेकिन अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से ऐसा कभी नहीं हो पाया।

अमाल ने प्रतिभागियों को दी बधाई

एक और ट्वीट में, उन्होंने फरहाना के लिए एक मैसेज शेयर किया। म्यूजिक कंपोजर ने उन्हें और बिग बॉस 19 के दूसरे कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के आभार और विनम्रता के साथ अपनी दोस्ती को खत्म करने का फैसला किया। आखिर में, अमाल ने बताया कि बिग बॉस 19 से जुड़ा यह उनका आखिरी पोस्ट था। उन्होंने वादा किया कि वे जल्द ही नेटिजन्स से फिर जुड़ेंगे और शायद उनके साथ बिग बॉस का अगला सीजन भी देखेंगे।

डाभेल ग्राम पंचायत में किसान शिविर का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। डाभेल ग्राम पंचायत में आज किसान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित किसानों को केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस), केंद्र सरकार तथा संघ प्रदेश प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। शिविर के दौरान प्राकृतिक खेती के महत्व, इसके लाभों तथा प्राकृतिक खेती के क्रियान्वयन के संबंध में किसानों को विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने तथा टिकाऊ, आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी कनू पटेल, जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल, उपसरपंच शैलेष पटेल, पंचायत के सदस्यगण तथा कृषि विभाग की ओर से उपस्थित अर्जुनभाई, दक्षेशभाई एवं राजेशभाई सहित बड़ी संख्या में गांव के किसान उपस्थित रहे।

जय कॉर्प लिमिटेड ने सीएसआर के तहत सिलवासा कलेक्ट्रेट में तीन दिव्यांगों को वितरित किया ई-रिक्शा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 सितंबर। जय कॉर्प लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सिलवासा में तीन दिव्यांगजनों को ई-रिक्शा वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना और उनके लिए स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम दादरा नगर हवेली के कलेक्टर प्रियांक किशोर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। ई-रिक्शाओं का वितरण रेजिडेंशियल डिप्टी कलेक्टर अमित कुमार के हाथों किया गया। ई-रिक्शा प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में अश्विन रमेश बोरसा (ग्राम गलोंडा), अनिल सोन्या नाडगे (ग्राम मांदोनी) तथा विनय धावजी माहला (ग्राम रुदाना) शामिल हैं। इस अवसर पर एससी/एसटी कॉर्पोरेशन मैनेजर अंबिका सिंह, डेवलपमेंट एंड प्लानिंग ऑफिसर जिला पंचायत पंकज परमार, एडवोकेट सनी भीमरा, जय कॉर्प लिमिटेड के निदेशक दिनेश पालीवाल, एजीएम-एचआर राहुल आहिरे, जय कॉर्प लिमिटेड के सीएसआर ऑफिसर नितिन पाटिल एवं निवृत्ति गांगुर्डे उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जय कॉर्प लिमिटेड इससे पूर्व भी तीन ई-रिक्शा वितरित कर चुकी है। कंपनी दादरा नगर हवेली की प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक ई-रिक्शा उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ विशेष आजीविका परियोजना संचालित कर रही है, जिससे अधिकाधिक दिव्यांगजन सम्मानजनक स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

सिलवासा राजभाषा विभाग ने हिन्दी पखवाडा अंतर्गत हिन्दी वाक प्रतियोगिता का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी वाक प्रतियोगिता का आयोजन जिला सचिवालय सिलवासा के सभागृह पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ करते हुए राजभाषा विभाग की डॉ. अनिता कुमार ने सभी का स्वागत करते हुए हिन्दी पखवाडा के आयोजन के मूल उद्देश्य पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात इस प्रतियोगिता के निर्णायकगण डॉ. प्रमिला उपाध्याय, प्राचार्या, शिव प्रकाश मेमोरियल स्कूल, पिंकी खिमनानी, पूर्व राजभाषा अधिकारी, एलआईसी तथा राकेश राय, प्रसिद्ध कवि एवं लेखक का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के निर्णायक राकेश राय ने अपने वक्तव्य में हिन्दी के प्रति अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अपनी कविता से सभी को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद राजभाषा सहायक निदेशक डॉ. अनिल कौशिक ने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के लिए सभी को प्रोत्साहित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए और सभी को शुभकामनाएं दी। इस प्रतियोगिता में स्नातक वर्ग, कर्मचारी वर्ग तथा गैर-सरकारी वर्ग के अंतर्गत दिए गए विषयों पर प्रशासन के विभिन्न विभागों, स्कूलों तथा महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। इसके पश्चात डॉ. प्रमिला उपाध्याय, प्राचार्या ने अपने अभिभाषण में हिन्दी भाषा का महत्व बताते हुए सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। पिंकी खिमनानी ने अपने वक्तव्य में हिन्दी के प्रयोग और प्रसार पर बल देते हुए प्रतिभागियों की प्रस्तुति हेतु सराहना की। राकेश राय ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए अपनी कविताओं की प्रस्तुति दी। इसके साथ-साथ डॉ. अनिता कुमार ने प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए और कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

जन्माष्टमी पर्व को लेकर सिलवासा में ट्रैफिक एडवाइजरी जारी, भारी वाहनों और औद्योगिक बसों के प्रवेश पर अस्थायी रोक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 सितंबर। दादरा नगर हवेली में आगामी जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए पुलिस विभाग ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। जन्माष्टमी महोत्सव 4-5 सितंबर 2026 तक आयोजित होना है। इस दौरान बाजार क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात प्रबंधन के लिए अस्थायी नियम लागू किए जाएंगे।

किलवणी नाका जंक्शन से भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक: एडवाइजरी के अनुसार 2 सितंबर से 5 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक किलवणी नाका जंक्शन से औद्योगिक/कंपनी बसों तथा भारी वाहनों के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। पुलिस विभाग ने संबंधित उद्योगों, परिवहन एजेंसियों, बस संचालकों और भारी वाहन चालकों से इस अवधि के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था करने की अपील की है।

कंपनी बसों के लिए निर्धारित पिक-अप एवं ड्रॉप-ऑफ स्थलः औद्योगिक एवं कंपनी बसों से कर्मचारियों के आवागमन के लिए पांच निर्धारित स्थान तय किए गए हैं। जिसमें पंचमुखी हनुमान, भस्ता फालिया, गोग बार, डोकमरडी ब्रिज एवं पुलिस स्टेशन सिलवासा के सामने शामिल हैं। बस संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वाहन केवल निर्धारित स्थानों पर ही खड़े या रोके जाएं तथा सड़क पर यातायात बाधित न हो और अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाईः पुलिस विभाग ने सभी उद्योगों, परिवहन ठेकेदारों, बस संचालकों तथा औद्योगिक/कंपनी बसों और भारी वाहनों के चालकों से यातायात व्यवस्था का सख्ती से पालन करने और पुलिस विभाग को सहयोग देने की अपील की है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट 1988 तथा लागू नियमों के तहत कानूनी कार्रवाई और जुर्माना/दंड लगाया जा सकता है। पुलिस विभाग ने जन्माष्टमी पर्व के दौरान सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आम जनता एवं सभी संबंधित पक्षों से सहयोग की अपील की है।

जेसीआई वापी ने विज्ञान इंटरनेशनल स्कूल नामधा में साउंड थेरपी एवं मेडिटेशन सेशन का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 02 सितंबर। जेसीआई सप्ताह 2026 उत्सव के अंतर्गत जेसीआई वापी द्वारा विज्ञान इंटरनेशनल स्कूल, नामधा, वापी में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए साउंड थेरपी और मेडिटेशन सेशन का आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को तनावमुक्त वातावरण, बेहतर एकाग्रता, मानसिक शांति एवं सकारात्मक सोच के महत्व से परिचित कराना था। जेसी डॉ. जिग्नेशा पांचाल ने बेहद प्रभावशाली एवं सहज तरीके से साउंड थेरपी और मेडिटेशन का सेशन लिया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और उन्हें एक बहुत ही सकारात्मक एवं शांतिपूर्ण अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए विज्ञान इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ का जेसीआई वापी की ओर से विशेष आभार एवं धन्यवाद किया गया। स्कूल द्वारा दिए गए सहयोग और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने इस कार्यक्रम को और भी सफल बनाया। साथ ही जेसी डॉ. जिग्नेशा पांचाल का विशेष धन्यवाद किया गया, जिन्होंने अपने ज्ञान, अनुभव और शानदार प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

दमण में मराठा सेवा संघ का मनाया गया 36वां वर्धापन दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 02 सितंबर। मराठा समाज की ओर से आज दमण स्थित होटल गजानन में मराठा सेवा संघ का 36वां वर्धापन दिवस उत्साह एवं पारंपरिक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर मराठा सेवा संघ के महत्व, उसके कार्यों तथा समाज निर्माण में संगठन की भूमिका पर विस्तार से मार्गदर्शन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मराठा सेवा संघ के संत गाडगे बाबा प्रबोधन कक्ष, मध्य भारत के अध्यक्ष गणेश पाटिल, कोषाध्यक्ष अनिल गाडबैल, कार्याध्यक्ष संजय रोठे सहित मोहित देशमुख, दीपक शेवाले, स्वप्निल शिंदे, बाळासाहेब पाटील, संतोष कराले, कृष्णा कराले, संजय पाटील, दत्ता कबाडी, अमर अवताडे, हरीश तावडे, मुरलीधर पवार, गणेश गडाख एवं संदीप सनेर उपस्थित रहे। वहीं जिजाऊ ब्रिगेड, दमण की ओर से अध्यक्ष लीना कराले, उपाध्यक्ष अनिता कबाडी, सचिव वैशाली पवार, मीडिया प्रभारी दीपिका शिंद, कविता मोहोल, सविताताई महाले, नम्रता ताई पाटील, स्नेहल देसले, मनस्वी शिंदे एवं आशा पाटील सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान लीना कराले एवं मोहित देशमुख ने उपस्थित समाजबंधुओं का मार्गदर्शन करते हुए मराठा सेवा संघ की सामाजिक भूमिका, संगठन की आवश्यकता और समाज के विकास में युवाओं की भागीदारी पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विचारधारा को अपनाकर समाज में एकता, शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करना आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन पारंपरिक एवं प्रेरणादायी वातावरण में किया गया। सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज की विचारधारा पर चलते हुए समाज के विकास और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इसी के साथ मराठा सेवा संघ का 36वां वर्धापन दिवस समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गुजरात की स्कूलों को बड़ी राहत, जी-एसक्यूएएफ स्व-मूल्यांकन की अंतिम तारीख बढ़ी

■ अब 8 सितंबर तक पूरा करना होगा ऑनलाइन स्व-मूल्यांकन, 76% स्कूलों ने प्रक्रिया पूरी की, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

गांधीनगर (ईएमएस)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत शैक्षणिक सुधारों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुजरात सरकार द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से लागू किए गए गुजरात स्कूल क्वालिटी असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क (जी-एसक्यूएएफ) के तहत ऑनलाइन स्व-मूल्यांकन की समयसीमा बढ़ा दी गई है। पहले यह प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2026 निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 8 सितंबर 2026 कर दिया गया है। राज्य सरकार की इस पहल को स्कूलों, शिक्षक संगठनों और प्रबंधन मंडलों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। 1 सितंबर 2026 तक राज्य की 76 प्रतिशत यानी 40,678 स्कूलों ने स्व-मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वहीं 19 प्रतिशत यानी 10,278 स्कूलों में प्रक्रिया जारी है। केवल 5 प्रतिशत यानी 2,714 स्कूलों में अभी यह प्रक्रिया शुरू होना बाकी है। शेष स्कूलों तथा शिक्षक-प्रबंधन संगठनों की मांग और त्योहारों की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्व-मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त समय दिया है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी लंबित स्कूलों को बढ़ाई गई समयसीमा के भीतर स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूरी करनी होगी। संशोधित समयसीमा में भी प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले स्कूलों में शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ वेरिफायर्स के माध्यम से सीधे बाहरी मूल्यांकन कराया जाएगा। जी-एसक्यूएएफ सर्वेक्षण एवं मूल्यांकन में शामिल नहीं होने वाले स्कूलों के खिलाफ संबंधित कानूनों और नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। कक्षा 1 से 8 तक की प्राथमिक स्कूलों के मामले में आरटीई नियम, 2012 तथा गुजरात प्राथमिक शिक्षा अधिनियम, 1947 के तहत जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी (डीपीईओ) द्वारा स्कूल की मान्यता स्थायी रूप से रद्द की जा सकती है। वहीं कक्षा 9 से 12 तक की माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के लिए जीएसएचएसईबी के नियमों के अनुसार पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द या निलंबित करने, बोर्ड परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता रोकने तथा नए वर्ग या नए स्ट्रीम शुरू करने की अनुमति स्थगित करने जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। जी-एसक्यूएएफ को राज्य की लगभग 54 हजार सरकारी, अनुदानित और निजी स्कूलों में लागू किया गया है। यह केवल विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्कूलों की गुणवत्ता का 360-डिग्री मूल्यांकन करने वाला व्यापक मॉडल है। इसके तहत प्रशासन, पाठ्यक्रम, समग्र मूल्यांकन, आधारभूत ढांचा, समावेशी शिक्षा, नेतृत्व और अन्य बहुआयामी क्षेत्रों में स्कूलों की गुणवत्ता जांची जाएगी। इसका उद्देश्य गुजरात की शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और जवाबदेह बनाना है। स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एसएसएसए), गांधीनगर ने स्पष्ट किया है कि 8 सितंबर की समयसीमा समाप्त होने के बाद किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। निर्देशों का पालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित स्कूल स्वयं जिम्मेदार होगा।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)